



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 6]
No. 6]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 6, 1988/ माघ 17, 1909
NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 6, 1988/MAGHA 17, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II) PART II—Section 3—Sub-section (II)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than
the Ministry of Defence)

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1987
(आयकर)

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

New Delhi, the 18th September, 1987
(INCOME-TAX)

S.O. 260—In exercise of the powers conferred by the third proviso to clause (10) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government, having regard to the maximum amount which is for the time being exempt under sub-clause (i) of the said clause and in supersession of the order issued by the Notification No. GSR 537(E) dated 1st July, 1985, increases the limit of fifty thousand rupees to one lakh rupees for all the three purposes mentioned in the provisions of that clause in relation to the employees who retire or become incapacitated or die on or after 1st January, 1986 or whose employment is terminated on or after the said date.

[No. 7534/F. No. 178/131/87-IT(A1)]
ROSHAN SAHAY, Under Secy.

केंद्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1987

(आयकर)

का. आ. 260.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (10) के तृतीय परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त खंड के उप खंड (i) के अंतर्गत मौजूदा उस अधिकतम राशि के संबंध में जो छूट प्राप्त है और दिनांक 1-7-1985 की अधिसूचना सं. सा. मां. नियम 537(इ) द्वारा जारी आदेश का अधिलेखन करते हुए उन कर्मचारियों के संबंध में उक्त धारा के उपबंधों में उल्लिखित सभी तीनों प्रयोजनों के लिए 50,000/- रुपए की सीमा को बढ़ाकर एक लाख रुपए करती है, जो जनवरी, 1986 को अथवा उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हो जाने है अथवा अक्षम हो जाते हैं अथवा जिनकी मृत्यु हो जाती है अथवा उसके बाद समाप्त कर दी जाती हैं।

[सं. 7534/का. सं. 178/131/87—सा.क. (नि 1)]

रोशन महाय, अवर सचिव

का. आ. 261.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 12-क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा दिनांक 22-4-1987

की पूर्ववर्ती अधिसूचना संख्या 7249 (फा. सं. 261/14/87-आ. क. न्या.) में संशोधन करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा निदेश देता है कि नीचे दी गई अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट अधिकार क्षेत्र के आयकर आयुक्त (अपील) स्तम्भ (2) तथा (3) की तत्संबंधी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट आयकर वार्डों, परिमंडलों, जिलों और रेंजों में आयकर अथवा अतिकर या ब्याजकर से निर्धारित ऐसे व्यक्तियों के बारे में अपना कार्य निर्वहण करेंगे जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खंड (क) से (ज), कंपनी (लाभ) अतिकर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) की धारा II की उपधारा (1) तथा ब्याजकर अधिनियम, 1974 (1974 का 45) में उल्लिखित किसी भी आदेश से व्यधित हुए हैं और ऐसे व्यक्तियों या व्यक्तियों की श्रेणियों की बाबत भी कार्य-निर्वहण करेंगे जिनके लिए बोर्ड ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खंड (i) के उपबंधों के अनुसार निदेश दिया है या भविष्य में निदेश दें।

अनुसूची

अधिकार क्षेत्र आयकर वार्ड/परिमंडल नि. स. आयकर
तथा प्रधान तथा जिले आयुक्तों की रेंजें
कार्यालय

1	2	3
आयुक्त (अपील) पुणे }	नि. स. आ. पुणे रेंज-I, पुणे रेंज-II, पुणे रेंज-III, नि. स. आ. पुणे रेंज-II, थाणे रेंज-I, थाणे रेंज-II, पुणे, क. नि. रेंज-III, तथा नि. स. आ. क. नि. पुणे थाणे रेंज-I, थाणे रेंज-II और III, पुणे के थाणे रेंज-II, थाणे क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले सभी वार्ड एवं परिमंडल	
आयुक्त (अपील) नासिक	आयकर आयुक्त नासिक क क्षेत्राधिकार में आने वाले सभी वार्ड तथा परिमंडल और नि. स. आ. पुणे रेंज-III, पुणे तथा नि. स. आ. क. नि. आ पुणे रेंज-III, पुणे I रेंज-I, पुणे के क्षेत्राधिकार में आने वाले सभी वार्ड एवं परिमंडल	नासिक रेंज, नासिक औरंगाबाद रेंज, औरंगाबाद नि. स. आ पुणे रेंज-III, पुणे I नि. स. आ. क. नि. रेंज-I, पुणे.
आयुक्त (अपील) कोल्हापुर	आयकर आयुक्त कोल्हापुर के क्षेत्राधिकार में आने वाले सभी वार्ड एवं परिमंडल	सोलापुर रेंज; सोलापुर. कोल्हापुर रेंज, कोल्हापुर.

यह अधिसूचना दिनांक 1-7-1987 से लागू होगी।

जहां कोई आयकर परिमंडल, वार्ड अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग इस अधिसूचना द्वारा एक अधिकार क्षेत्र में किसी अन्य अधिकार क्षेत्र में अंतरित कर दिया गया हो, नहीं उस आयकर परिमंडल, वार्ड अथवा जिला अथवा उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और

इस अधिसूचना की तारीख से तत्काल पूर्व, अधिकार क्षेत्र के उस आयकर आयुक्त के समक्ष विचाराधीन पड़ी अपीलों, जिनके अधिकार क्षेत्र में आयकर परिमंडल, वार्ड अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग अंतरित किया गया हो, इस अधिसूचना के लागू होने की तारीख से अधिकार क्षेत्र के उस आयकर आयुक्त को अंतरित की जाएंगी और उसके द्वारा निपटाई जाएंगी जिनके अधिकार क्षेत्र में उक्त परिमंडल, वार्ड अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग अंतरित किया गया हो।

[सं. 7403/फा. सं. 261/14/87-आ. क. न्या.]

मुरेन्द्र पाल, अवर सचिव

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 6th July, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 261.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121-A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in modification of the previous notification No. 7249 (F. No. 261/14/87-ITJ) dated 22-4-87, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the charges specified in Column (1) of the Schedule below, shall perform their functions in respect of such person, assessed to Income-tax or Sur-tax or Interest tax in the Income Tax Wards, Circles, Districts, and Ranges specified in the corresponding entries in column (2) and Column (3) thereof as are aggrieved by any of the orders mentioned in Clauses (a) to (h) of sub-section (2) of Section 246 of the Income Tax Act, 1961, in sub-section (1) of Section II of Companies (Profits) Sur-tax Act 1964 (7 of 1964) and in sub-section (1) of section 15 of the Interest Tax Act, 1974 (45 of 1974) and also in respect of such persons or classes of persons as the Board has direct or may direct in future in accordance with the provisions of clause (1) of sub-section (2) of Section 246 of the Income Tax Act, 1961.

SCHEDULE

Charge with	Income Tax Wards/ Circles and districts	Ranges of I.A.Cs. of Income-tax
1	2	3
Commissioner (Appeals) Pune	All Wards & Circles within the jurisdiction of I.A.C.P.R.I., P.R. II I.A.C. Thane Range I, Thane Range-II and I.A.C. Asstt. Range II & III, Pune	Pune Range I Pune Range II Pune Asstt. Range II Pune Asstt. Range III Pune Thane Range I, Thane Thane Range II, Thane
Commissioner (Appeals) Nasik	All Wards & Circles within the jurisdiction of Commissioner of Income-tax, Nasik and all wards and circles within the jurisdiction of I.A.C. Pune Range-III	Nasik Range, Nasik. Asstt. Range, Nasik, Aurangabad Range, Aurangabad. I.A.C. Pune Range III, Pune. I.A.C. Asstt.

1	2	3
	Pune and I.A.C. Asstt. Range-I, Pune	Range I Pune, Solapur Range,
Commissioner (Appeals) Kolhapur	All Wards & Cir. within the jurisdiction of C.I.T. Kolhapur	Solapur, Kolhapur Range, Kolhapur.

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 5th January, 1988

This notification shall take effect from 1-7-1987.

Whereas Income tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this notification from one charge to another charge, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Tax Circles, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Commissioner of Income-tax of the Charge from whom the Income-tax Circle, Ward, or District or part thereof is transferred shall, from the date of this notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Commissioner of Income Tax of the Charge to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

[No. 7403 /F. No. 261/14/87/ITJ]

SURENDER PAUL, Under Secy.

New Delhi, the 8th January, 1988

CORRIGENDUM

S.O. 262.—In Notification No. 7437 (F. No. 261/24/87-ITJ) dated 22-7-87, the Central Board of Direct Taxes notified the following addition in Colm. 3 of the Schedule against Sl. No. 1 and 5 :—

- | | |
|-------------------------|------------------------------------|
| 1 AAC, A-Range, Lucknow | 6. Old I T. O (Recovery), Lucknow. |
| | 7. I. T.O. (Asstt.), Lucknow. |
| 5. AAC, Moradabad. | 6. I. T. O. (Asstt.), Morabad. |

2. This notification will take effect from 1-7-87.

[No. 7706 /F. No. 261/28/87-ITJ]

A. K. Garg, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 5 जनवरी, 1988

का. आ. 263:—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10ख की उपधारा (1) और (2) के उपबंध काशी साथ सेठ बैंक लि. गाहजहापुर पर 14 विसम्बर, 1987 से 13 मार्च, 1988 तक तीन महीने की अवधि के वास्ते अथवा बैंक के नियमित पूर्णकालिक अध्यक्ष की नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, लागू नहीं होंगे।

[सं. 15/3/87-बी. ओ. -III (1)]

S.O. 263.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (1) and (2) of section 10-B of the said Act shall not apply to the Kashi Nath Seth Bank Ltd., Shahjahanpur for a period of three months from 14th December, 1987 to 13th March, 1988 or till the appointment of a regular whole-time Chairman for that bank, whichever is earlier.

[No. 15/3/87-B.O III(1)]

का. आ. 264:—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10ख की उपधारा (9) के उपबंध काशी साथ सेठ बैंक लि., शाहजहापुर पर 14 विसम्बर, 1987 से 13 मार्च, 1988 तक उस सीमा तक लागू नहीं होंगे, जहां तक बैंक को चार महीने में अधिक की अवधि के वास्ते अध्यक्ष का कार्य करने के लिए किसी व्यक्ति को नियुक्त करने की छूट प्राप्त है।

[सं. 15/3/87 - बी. ओ. -III (2)]

S.O. 264.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (9) of section 10-B of the said Act shall not to the extent they preclude the bank from appointing a person to carrying out the duties of a Chairman beyond a period exceeding four months, apply to the Kashi Nath Seth Bank Ltd., Shahjahanpur from 14th December, 1987 to 13th March, 1988.

[No. 15/3/87-B.O III(2)]

का. आ. 265:—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10ख की उपधारा (1) और (2) के उपबंध बैंक आफ तंजावूर लिमिटेड, तंजावूर पर 1 विसम्बर, 1987 से 29 फरवरी, 1988 तक तीन महीने की अवधि के वास्ते अथवा बैंक के नियमित पूर्णकालिक अध्यक्ष की नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, लागू नहीं होंगे।

[सं. 15/19/87-बी. ओ. -III (1)]

S.O. 265.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (1) and (2) of section 10-B of the said Act shall not apply to the Bank of Thanjavur Ltd., Thanjavur for a period of three months from 1st December, 1987 to 29th February, 1988 or till the appointment of a regular whole-time Chairman for that bank, whichever is earlier.

[No. 15/19/87-B.O. III(1)]

का. आ. 266:—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10B की उपधारा (9) के उपबंध बैंक आफ तंजावूर लि., तंजावूर पर 1 दिसम्बर, 1987 से 29 फरवरी, 1988 तक अथवा बैंक के नियमित पूर्णकालिक अध्यक्ष की नियुक्ति होने तक, उनमें से जो भी पहले हो, उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक बैंक को चार महीने से अधिक की अवधि के वास्ते अध्यक्ष का कार्य करने के लिए किसी व्यक्ति को नियुक्त करने की छूट प्राप्त है।

[सं. 15/19/87-बी. ओ. - III (2)]

S.O. 266.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (9) of section 10-B of the said Act shall not, to the extent they preclude the bank from appointing a person to carry out the duties of the Chairman beyond a period exceeding four months, apply to the Bank of Thanjavur Ltd., Thanjavur from 1st December, 1987 to 29th February, 1988 or till the appointment of a regular wholetime Chairman for that bank, whichever is earlier.

[No. 15/19/87-B.O. III(2)]

का. आ. 267:—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबंध कर्नाटक बैंक लि., मंगलूर पर 29 दिसम्बर, 1989 तक उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक उनका संबंध इसके द्वारा कुंडगल, धारवाड़ जिला, कर्नाटक में धारित 810, 811 और 812 म्यूनिसिपल संस्था वाली दुकान और टिन के गोदामों सहित दो मंजिला मकान की अचल संपत्ति से है।

[सं. 15/20/87 - बी. ओ. - III]

प्रान नाथ, अवर सचिव

S.O. 267.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 9 of the said Act shall not apply to the Karnataka Bank Ltd., Mangalore for a period upto the 29th December, 1989 in respect of the immovable property of a two storeyed house including shop and tin godowns bearing Municipal Nos. 810, 811 and 812 held by it at Kundgol, Dharwar District, Karnataka.

[No. 15/20/87-B.O. III]

PRAN NATH, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1988

का. आ. 268:—प्रदेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, (1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री बृज मोहन चावला को रतलाम मंदसौर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, मंदसौर का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 13-11-87 से प्रारम्भ होकर 30-11-90 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री चावला अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[सं. एक 2-15/87-आरआरबी]

प्रवीण कुमार तेजयान,

अवर सचिव

New Delhi, the 6th January, 1988

S.O. 268.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri Brij Mohan Chawla as the Chairman of the Ratlam Mandasaur Kshetriya Gramin Bank, Mandasaur and specifies the period commencing on the 13th November, 1987 and ending with the 30th November, 1990 as the period for which the said Shri Chawla shall hold office as Chairman.

[No. F. 2-15/87-RRB]

P. K. TEJYAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1988

का. आ. 269:—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के प्रावधान श्री गंगानगर अर्बन कोऑपरेटिव बैंक लि., श्रीगंगानगर पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 31 दिसंबर 1988 तक की अवधि के लिए लागू नहीं होंगे।

[संख्या एक. 8-1/88-ए. सी.]

New Delhi, the 14th January, 1988

S.O. 269.—In exercise of the powers conferred by section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (1) of Section 11 of the said Act shall not apply to the Siganganagar Urban Co-operative Bank Ltd., Siganganagar for the period from the date of publication of this notification in the Gazette of India to 31st December, 1988.

[No. F. 8-1/88-AC]

का. आ. 270.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा 1 के उपबन्ध भरूच डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, भरूच (गुजरात राज्य) पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 30 जून, 1990 तक लागू नहीं होंगे।

[संख्या एफ. 8-2/88-ए. सी.]

S.O. 270.—In exercise of the powers conferred by section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to the Bharuch District Central Co-operative Banking Ltd, Bharuch (Gujarat State) from the date of publication of this notification in the official Gazette to 30th June, 1990.

[No. F. 8-2/88-AC]

का. आ. 271.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (i) के प्रावधान विजय कमर्शियल को-ऑपरेटिव बैंक लि., राजकोट पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 30 जून 1989 तक की अवधि के लिए नहीं होंगे।

[सं. एफ 8-2/88-ए. सी]

के. पी. पाण्डियन, अवर सचिव

S.O. 271.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Sub-section (1) of Section 11 of the said Act shall not apply to the Vijay Commercial Co-operative Bank Ltd, Rajkot for the period from the date of publication of this notification in the Gazette of India to 30th June, 1989.

[No. F. 8-2/88-AC]

K. P. PANDIAN, Under Secy.

समाहृतलय, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, मध्य प्रदेश

इन्दौर, 13 जनवरी, 1988

अधिसूचना संख्या 22/1987

का. आ. 272.—समाहृतलय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, इन्दौर के श्री एस. एन. चतुर्वेदी, अधीक्षक, समूह "ख" निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30/11/87 के अपरान्ह में शासकीय सेवा से निवृत्त हो गए।

[प. सं. II (3) 3 गोप/87/154]

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, M.P.

Indore, the 13th January, 1988

NOTIFICATION NO. 22/1987

S.O. 272.—Shri S. N. Chaturvedi, Superintendent, Central Excise Group 'B' of Indore Collectorate having attained the age of superannuation retired from Government service on 30th November, 1987 in the afternoon.

[C. No. II(3) 3-Com/87/154]

अधिसूचना संख्या 011/988

का. आ. 273.—समाहृतलय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, इन्दौर के श्री टी. यू. ठाकुर अधीक्षक समूह "ख" निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-12-87 के अपरान्ह में शासकीय सेवा से निवृत्त हो गए।

[प. सं. II (3) 3-गोप/87/204]

एन. राजा, समाहर्ता

NOTIFICATION NO. 01/1988

S.O. 273.—Shri T. U. Thakur, Superintendent, Central Excise Group 'B' of Indore Collectorate having attained the age of superannuation retired from Government service on 31st December, 1987 in the afternoon.

[C. No. II(3) 3-Con/87/204]

N. RAJA, Collector

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1988

का. आ. 274.—केन्द्रीय सरकार, राजमापा (संव के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में वाणिज्य मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है:—

1. ट्रेड फेयर अथॉरिटी आफ इण्डिया :—

प्रगति मैदान,

नई दिल्ली —110001.

2. नोएडा निर्यात संसाधन क्षेत्र,

बी-115,

सेक्टर-18, नोएडा

जिला गाजियाबाद (उ. प्र.)

3. नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

वेसाई बिल्डिंग, भूपेन्द्र रोड,

राजकोट।

4. संयुक्त मुख्य नियंत्रक,

आयात निर्यात का कार्यालय,

सेन्ट्रल गवर्नमेंट आफिसिस,

न्यू बिल्डिंग,

साउथ ईस्ट विंग,

न्यू मरीन मार्ग,

चर्च गेट, बम्बई

[सं. ई-11011/22/86 हिन्दी]

ओ. पी. कामड़ा, उप-सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 11th January, 1988

S.O. 274.—In pursuance of Sub-rule (4) of rule 10 of the Official Language (Use for Official purposes of the Union), Rule, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices under Ministry of Commerce whereof more than 80 per cent staff have acquired working knowledge of Hindi.

1. Trade Fair Authority of India, Pragati Maidan, New Delhi-110001.
2. Noida Export Processing Zone, B-115, Sector-18, Noida, District Ghaziabad (U.P.)
3. Office of the Controller, Import & Export, Desai Building, Bhupendra Road, Rajkot.
4. Office of the Jt. Chief Controller, Import & Export, Central Government Offices, New Building, South East Wing, New Marine Lines, Church Gate, Bombay.

[No. E-11011/22/86-Hindi]

O. P. KALRA, Dy. Secy.

(मुख्य निर्यातक, आयात निर्यात का कार्यालय)

नई दिल्ली, दिनांक 1988

आदेश

का. आ. 275.—मैसर्स कोस्मो मशीनरी कार्पोरेशन, हापुर रोड, गाजियाबाद को आयात-निर्यात नीति, 1985-88 के पैरा 114(i) के अधीन भण्डार एवं बिक्री के लिए अतिरिक्त पुरजों के आयात के लिए 5,54,337 रुपये केवल पाच लाख चौवन हजार तीन सौ सैंतीस रुपये) लागत बीमा भाड़ा का एक आयात लाइसेंस सं. पी/एफ 1481469 दिनांक 31-7-87 दिया गया था।

मेरे यह नोटिस में आया है कि पार्टी ने धोखेबाजी के तरीकों के झूठे दस्तावेज प्रस्तुत करके यह लाइसेंस प्राप्त किया है।

में इससे संतुष्ट हूँ कि मूल लाइसेंस सं. पी/एफ 1481469, दिनांक 31-7-87 जिस उद्देश्य के लिए दिया गया था उसे पूर्ण नहीं करेगा। यथासंशोधित आयात नियंत्रण आदेश 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9(क) के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा आयात लाइसेंस सं. पी/एफ/1481469, दिनांक 31-7-87 को रद्द करता हूँ।

इस मामले में कारण बताओ नोटिस जारी करके यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की धारा 10 के प्रावधानों की अनुपालन की गई है।

[सं. 8/सी. स्पेयर्स (ए.एम.-87/ए.एल.एस.)

के. बी. शर्मा, संयुक्त मुख्य निर्यातक,

आयात-निर्यात, कृते मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

New Delhi, the , 1988

ORDER

S.O. 275.—M/s. Cosmo Machinery Corporation, Hapur Road, Ghaziabad were granted an Import Licence No. P/F/1481469 dated 21st July, 1987 for a c.i.f. value of Rs. 5,54,337 (Rupees Five lakhs fifty four thousands three hundred and

thirty seven only) for import of spares for stock & sale under para 114(i) of Import & Export Policy, 1985-88.

It has come to my notice that the party obtained licence by producing forged documents by fraudulent means.

I am satisfied that the Original Licence No. P/F/1481469 dated 31st July, 1987 will not serve the purpose for which the same was granted. In exercise of the powers conferred under sub clause 9(a) of Import Control Order 1955 dated 7th December, 1955 as amended, I hereby cancel the Import Licence No. P/F/1481469 dated 31st July, 1987.

The provisions of clause 10 of the Imports (Control) Order 1955 as amended has been complied with in this case by issue of a show cause notice

[No. 8-C/SPARES/AM-87/ALS]

K. V. SHARMA, Jt. Chief Controller of Imports & Exports,
for Chief Controller of Imports & Exports

वस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1988

का. आ. 276.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए (प्रयोग नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत के अंतर्गत आने वाले निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी वृद्ध ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

1. वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, पोस्ट बाक्स संख्या 11500, बंबई-20
2. पानीपत वूलन मिल्स, चम्बीगढ़।
3. खरड टेक्सटाईल्स मिल्स, चम्बीगढ़
4. सूरज टेक्सटाईल्स मिल्स, मलोद नगर।
5. दयालबाग स्पिनिंग एंड वीविंग मिल्स अमृतसर।
6. उदयपुर काटन मिल्स, उदयपुर (राज०)
7. एडवर्ड मिल्स, ब्यावर (राज.)
8. श्री विजय काटन मिल्स, विजय नगर (रा.)
9. महालक्ष्मी मिल्स, ब्यावर (राज.)।
10. अमुध्या टेक्स्टाईल्स मिल्स, दिल्ली।
11. दि हैण्डिकाफ्ट्स एंड हैण्डलूम्स एक्सपोर्ट्स कार्पोरेशन आफ इंडिया लि., लोक कल्याण भवन, 11-ए राजजवेग्यू सेन, नई दिल्ली 110002

[सं. ई-11011/22/86-हिन्दी (खण्ड --1)]

ओ. पी. कालड़ा, उपसचिव

MINISTRY OF TEXTILES

New Delhi, the 14th January, 1988

S.O. 276.—In pursuance of Sub-rule (4) of rule 10 of the Official Language (Use for Official purposes of the Union) Rule, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices under Ministry of Textiles whereof more than 80 per cent staff have acquired working knowledge of Hindi.

1. Office of the Textiles Commissioner,
Post Box No 11500. Bombay-20.

2. Panipat Woolen Mills, Chandigarh.
3. Kharad Textiles Mills, Chandigarh.
4. Suraj Textiles Mills, Malot Nagar,
5. Dayalbag Spinning and Weaving Mills, Amritsar.
6. Udaypur Cotton Mills, Udaipur (Rajasthan).
7. Edward Mills, Beawar (Rajasthan).
8. Shri Vijay Cotton Mills, Vijay Nagar (Rajasthan).
9. Mahalakshmi Mills, Beawar (Rajasthan).
10. Ayodhya Textiles Mills, Delhi.
11. The Handicrafts and Handlooms Exports Corporation of India Ltd., Lok Kalyan Bhavan, 11-A House Avenue Lane, New Delhi-110002.

[No. E-11011/22/86-Hindi (Part-I)]

O. P. KALRA, Dy. Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1988

का.ग्रा. 277.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में गंधार से धुवारन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप-लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ;

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

गंधार से धुवारन तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात जिला : भरुच तालुका : आमोद

गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	आरे.	मैटी.
1	2	3	4	5
देनवा	753	0	03	25
	कार्ट ट्रैक	0	00	94

1	2	3	4	5
	751	0	27	25
	753	0	28	05
	756	0	23	55
	757	0	43	35
	758	0	18	00
	759	0	16	35

[नं. ओ-11027/1/88-ओएनजी-डी-3]

MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS

New Delhi, the 11th January, 1988

S.O. 277.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Gandhar to Dhuvran in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962, (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be here in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Gandhar To Dhuvran

State : Gujarat District : Bharuch Taluk : Amod

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Denva	753	0	03	25
	Cart track	0	00	94
	754	0	27	25
	755	0	28	05
	756	0	23	55
	757	0	43	35
	758	0	18	00
	759	0	16	35

[No. O-11027/1/88-ONG-D-III]

का.ग्रा. 278.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में मोभा से सरसवणी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप-लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाय अनुसूची वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्वारा घोषित किया है ;

यशर्त कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी के मार्फत ;

अनुसूची

मोभा से सरसवानी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य: गुजरात जिला: बड़ौदा तालुका : पादरा

गांव	ब्लॉक	हेक्टेयर	आरे.	सेन्टीपर
आमला	1224	0	13	60
	1222	0	02	80
	1219	0	08	00
	1218	0	08	80
	1212	0	07	10
	1189	0	07	20
	1199	0	02	00
	1193		07	90
	1192	0	06	50
	1168	0	05	20
	1165	0	09	00
	990	0	06	50
	991	0	03	00
	988	0	06	50
	924	0	00	50
	985	0	06	10
	कार्टट्रेक	0	00	80
	986	0	05	60
	922	0	06	50
	920	0	06	10
	815	0	06	60
	912	0	17	90
	827	0	07	50
	831	0	08	50
	836	0	13	60
	कार्टट्रेक	0	00	50
	841	0	05	80
	773	0	17	30
	843	0	11	50

S.O. 278.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Mobha to Saraswani in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962, (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be here in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline From Mobha To Saraswani.

State : Gujarat District : Vadodara Taluka : Padara

Villages	Block No.	Hectare	Aro	Centiare
Amala	1224	0	13	60
	1222	0	02	80
	1219	0	08	00
	1218	0	08	80
	1218	0	07	00
	1189	0	07	20
	1199	0	02	00
	1193	0	07	90
	1192	0	06	50
	1168	0	05	20
	1165	0	09	00
	990	0	06	50
	991	0	03	00
	988	0	06	50
	324	0	00	50
	985	0	06	10
	Cart track	0	00	80
	986	0	05	60
	922	0	06	50
	920	0	06	10
	815	0	06	60
	912	0	17	90
	827	0	07	50
	831	0	08	50
	836	0	13	60
	Cart track	0	00	50
	841	0	05	80
	773	0	17	30
	843	0	11	50

[No. O-11027/2/88-ONG-D—III]

का.आ. 279—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में मोभा से सरसवानी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ; और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

आ: अर पेट्रोलिएम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1963 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और खभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडौदा-9 को इस अधिसूचना के तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः ही भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई प्रसिद्ध रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी के मार्फत।

अनुसूची

मोभा से सरसवणी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।
राज्य : गुजरात जिला : बड़ौदा लाहुरा : पावरा

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	आर	सेंटी.
1	2	3	4	5
पंती	25/2	0	12	00
	34	0	00	25
	26	0	04	80
	28	0	05	80
	29	0	02	60
	30	0	02	60
	31	0	04	80
कार्टट्रेक		0	01	70
	61/2	0	06	40
	60/1/ए	0	05	90
	57/3	0	02	60
	57/2	0	02	60
	57/2	0	03	00
	57/1/ए	0	05	80
कार्टट्रेक		0	01	20
	68	0	07	00
	452/1	0	02	50
	450	0	08	00
	449/2	0	00	10
	451/2	0	00	25
	448/2	0	02	60
	448/1	0	02	50
	446/2	0	04	50
	446/1	0	04	20
	445	0	06	50
	440	0	02	40

1	2	3	4	5
	441	0	03	60
	442/1	0	06	00
	कार्टट्रेक	0	04	50
	428	0	02	00
	427/2	0	07	50
	427/1	0	07	50
	कार्टट्रेक	0	00	30
	419/2	0	06	70
	कार्टट्रेक	0	01	20
	342/1	0	00	20
	343	0	08	60
	344	0	08	50
	कार्टट्रेक	0	00	50
	408	0	11	80
	407	0	05	70
	406	0	07	30
	357	0	11	30
	355/2	0	06	06
	355/1	0	04	04
	354	0	14	40
	369	0	04	50
	370/2	0	05	20
	360/1	0	07	20
	371	0	03	80
	374/4	0	16	40

[सं. ओ.-11027/3/88-ओएनजी-डी-3]

S.O. 279.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Mobha to Saraswani in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962, (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Mobha To Sarswani.

State : Gujarat District : Baroda Taluk : Padara

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Anti	25/2	0	12	00
	34	0	00	25
	26	0	04	80
	28	0	05	80
	29	0	02	60
	30	0	02	60
	31	0	04	80
	Cart track	0	01	70
	61/2	0	06	40
	60/1/A	0	05	90
	57/3	0	02	60
	57/2	0	02	60
	57/2	0	03	00
	57/1/A	0	05	80
	Cart track	0	01	20
	68	0	07	00
	452/1	0	02	50
	450	0	08	00
	449/2	0	00	10
	451/2	0	00	25
	448/2	0	02	60
	448/1	0	02	50
	446/2	0	04	50
	446/1	0	04	20
	445	0	06	50
	440	0	02	40
	441	0	03	60
	442/1	0	06	00
	Cart track	0	04	50
	428	0	02	00
	427/2	0	07	50
	427/1	0	07	50
	Cart track	0	00	30
	419/2	0	06	70
	Cart track	0	01	20
	342/1	0	00	20
	343	0	08	60
	344	0	08	50
	Cart track	0	00	50
	408	0	11	80
	407	0	05	70
	406	0	07	30
	357	0	11	30
	355/2	0	06	06
	355/1	0	04	04
	354	0	14	40
	369	0	04	50
	370/2	0	05	20
	370/1	0	07	20
	371	0	03	80
	374/4	0	16	40

[No O- 11027/3/88-ONG-D III]

का.आ. 280.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य गंधार से धुवारन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्त कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप मक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

गंधार से धुवारन तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : मकच तालुका : आमोद

गांव	ब्लाक नं.	हेक्टेयर	आर	सेंटी
वलीपुर	455	0	12	90
	453	0	41	40
	452	0	75	70
	451	0	03	65
	107	0	21	37
	108	0	21	08
	109	0	00	33
	110	0	05	23
	103	0	01	30
	111	0	02	97
	112	0	01	90
	113	0	04	51
	114	0	01	56
	120	0	16	64
	121	0	33	34
	122	0	05	01
	165	0	21	15
	161	0	16	01
	162	0	16	90

1	2	3	4	5
	163	0	13	20
	160	0	04	76
	173	0	26	30
	171	0	01	12
	176	0	04	68
	172	0	40	12
	170	0	47	75

[स. ओ. -11027/4/88-ओ. एन. जी.-डी. 3]

S.O. 280—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Gandhar to Dhuvaran in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962, (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe line From Gandhar To Dhuvaran

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Amod

Village	Block No	Hectare	Ac	Centiare
Walipur	455	0	12	90
	453	0	41	40
	452	0	75	70
	451	0	03	65
	107	0	21	37
	108	0	21	08
	109	0	00	33
	110	0	05	23
	103	0	01	30
	111	0	02	97
	112	0	01	90
	113	0	04	51
	114	0	01	56
	120	0	16	64
	121	0	33	34
	122	0	05	01
	165	0	21	15
	161	0	16	01
	162	0	16	90
	163	0	13	20
	160	0	04	76
	173	0	26	30
	171	0	01	12
	176	0	04	68
	172	0	40	12
	170	0	47	75

[No O- 11027/4/88/ONG-D-III]

का. ग्रा. 281—यत. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन. के. एफ. जी. से एन. के. जी. जी. एस. 1 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्विषयक अनुसूचि में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वशतः कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी के मार्फत।

अनुसूची

एन. के. एफ. जी. से एन. के. जी. जी. एस. I तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला अहमदाबाद तालुका विरमगाम

गांव	सर्वे न.	हेक्टेयर	आर.	सेन्टीयर
तेलावी	249/ए	0	03	48
	1/1	0	13	20
	44	0	11	28
	43/1	0	10	80

[स. ओ. -11027/5/88-ओ. एन. जी.-डी.-3]

S.O. 281—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKFG to NKGGSI in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962, (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from NKFG to NK GGS I

State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Telavi	249/A	0	03	48
	1/1	0	13	20
	44	0	11	28
	43/1	0	10	80

[No. O-11027/5/88-ONG-D III]

का.आ. 282.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जी एन ए एफ से एन जी-9 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्दुपावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी के मार्फत ।

अनुसूची

जी एन ए एफ से एम जी-4 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य—गुजरात जिला—शरूच तालुका—ग्रामीद

गांव	क्षेत्रफल	हेक्टेयर	आर	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
देणवा	523	0	01	95
	527	0	05	20
	526	0	13	35
	525	0	01	30
	548	0	25	74

1	2	3	4	5
	554	0	12	32
	555	0	05	20
	556	0	05	10
	557	0	05	20
	564	0	01	30
	562	0	01	30
	569	0	05	20
	568	0	05	20
	571	0	09	36
	573	0	04	16
	574	0	03	12
	575	0	06	24
	538	0	13	52
	645	0	21	56
	644	0	05	20
	646	0	05	20
	633	0	10	40
	657	0	02	86
	658	0	03	90
	653	0	07	80
	672	0	18	20
	674	0	07	80
	677	0	10	95
	678	0	03	25
	679	0	03	90
	691	0	07	80
	780	0	15	60
	808	0	05	20
	809	0	06	50
	804	0	03	25
	797	0	15	60
	798	0	09	10
	800	0	09	75

[सं. ओ-11027/6/88-ओ.एन.जी. सी-3]

S.O. 282.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from GNAF to NG-4 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962, (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be here in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from GNAF To NG-4.

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Amod

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Denwa	523	0	01	95
	527	0	05	20
	526	0	13	35
	525	0	01	30
	548	0	25	74
	554	0	12	32
	555	0	05	20
	556	0	05	10
	557	0	05	20
	564	0	01	30
	562	0	01	30
	569	0	05	20
	568	0	05	20
	571	0	09	36
	573	0	04	16
	574	0	03	12
	575	0	06	24
	538	0	13	52
	645	0	21	56
	644	0	05	20
	646	0	05	20
	633	0	10	40
	657	0	02	86
	658	0	03	90
	653	0	07	80
	672	0	18	20
	674	0	07	80
	677	0	10	95
	678	0	03	25
	679	0	03	90
	691	0	07	80
	780	0	15	60
	808	0	05	20
	809	0	06	50
	804	0	03	25
	797	0	15	60
	798	0	09	10
	800	0	09	75

[No. O-11027/6/88-ONG-D-III] ५

का.आ. 283.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में मोभा से सरसवणी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसको सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

मोभा से सरस वानों तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : वड़ोदरा तालुका : दादरा

गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	आर	सेन्टीयर
जलाल पुर	476	0	00	15
	477	0	18	20
	488	0	06	10
	490	0	10	00
	493	0	05	60
	494	0	07	40
	496	0	06	50
	497	0	03	00
	498	0	08	90
	499	0	08	20
	510	0	12	60
	509	0	04	40
कार्ट ट्रैक		0	00	90
11		0	10	00
12		0	01	80
63		0	12	60
कार्ट ट्रैक		0	03	00
62		0	13	30
61		0	05	80
60		0	06	30
59		0	01	60
58		0	04	50
135		0	07	40
136		0	08	40
कार्ट ट्रैक		0	01	00
137		0	02	20
139		0	11	30

1	2	3	4	5
जलालपुर	140	0	05	00
	159	0	03	00
	158	0	10	50
	157	0	06	40
	156	0	10	40
		0	00	50
	153	0	05	30
	152	0	09	00
कार्ट ट्रैक		0	00	90

[स ओ-11027/7/88-ओ एन जी-डी 3]

S.O. 283—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Mobha to Saraswani in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire the Right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal practitioner

SCHEDULE

Pipeline from Mobha to Saraswani
State : Gujarat District : Vadodara Taluka : Padra

Village	Block No	Hectare	Acre	Centiare
1	2	3	4	5
Jalalpur	476	0	00	15
	477	0	18	20
	488	0	06	10
	490	0	10	00
	493	0	05	60
	494	0	07	40
	496	0	06	50
	497	0	03	00
	498	0	08	90
	499	0	03	20
	510	0	12	60
	509	0	04	40
Cart track		0	00	90
	11	0	10	00
	12	0	01	80
	63	0	12	60
Cart track		0	03	00
	62	0	13	30
	61	0	05	80
	60	0	06	30
	59	0	01	60
	58	0	04	50

1	2	3	4	5
Jalalpur	135	0	07	40
	136	0	08	40
	Cart track	0	01	00
	137	0	02	20
	139	0	11	30
	140	0	05	00
	159	0	03	00
	158	0	10	50
	157	0	06	40
	156	0	10	40
	Cart track	0	00	50
	153	0	05	30
	152	0	09	00
	Cart track	0	00	90

[No O-11027/7/88-ONG-DIII]

का.आ. 284.—यत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकाहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में मोभा से सरसवणी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतपावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आणय एतद्वारा घोषित किया है ।

वशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडीवा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट. यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी के माफत ।

अनुसूची

मोभा से सरसवणी तक पाइपलाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात जिला : वडोदरा तालुका : पादरा

गांव	ब्लाक नं.	हेक्टेयर	आर	सेन्टीयर
अम्बाडा	221	0	00	25
	223	0	14	50
	222	0	11	10
कार्टट्रेक		0	00	70
	219	0	12	20

गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	आर	सेन्टियर
अम्बडा	217	0	15	00
	कार्ट ट्रैक	0	02	20
	164	0	08	20
	163	0	04	50
	162	0	07	50
	161	0	06	60
	160	0	00	25
	152	0	00	70
	151	0	07	70
	121	0	03	06
	120	0	10	70
	109	0	16	50
	107	0	02	00
	106	0	03	20
	101	0	18	00
	100	0	04	00

[सं. ओ-11027/8/88-ओएनजी-डी 3]

S.O. 284.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Mobha to Saraswani in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Boroda. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Mobha to Saraswani
State: Gujarat District : Vadodara Taluka : Padara

Village	Block No	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Ambada				
	221	0	00	25
	223	0	14	50
	222	0	11	10
	Cart track	0	00	70
	219	0	12	20
	217	0	15	00
	Cart track	0	02	20
	164	0	08	20
	163	0	04	50

1	2	3	4	5
Ambada	162	0	07	50
	161	0	06	60
	160	0	00	25
	152	0	00	70
	151	0	07	70
	121	0	03	06
	120	0	10	70
	109	0	16	50
	107	0	02	00
	106	0	03	20
	101	0	18	00
	100	0	04	00

[No O-11027/8/88-ONG-D III]

का आ. 285.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में मोभा से सरमवानी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्वारा घोषित किया है ।

वर्णन कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति त्रिनिदिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी के मार्फत ।

अनुसूची

मोभा से सरमवानी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।
राज्य : गुजरात जिला बड़ोदरा तालुका . पादरा

गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	आर	सेन्टियर
साध्री	478	0	03	70
	710	0	04	30
	709	0	07	80
	कार्ट ट्रैक	0	02	70
	705	0	12	00
	699	0	03	00

1	2	3	4	5
साधी	700	0	08	20
	696	0	07	30
	689	0	06	00
	690	0	03	20
	687	0	03	20
	2379	0	07	90
	गर्ट ट्रैक	0	00	50
	653	0	08	50
	658	0	11	50
	1837	0	05	80
	1838	0	02	50
	1839	0	05	90
	1842	0	07	70
	1841	0	00	50
	1775	0	05	60
	1774	0	08	00
	1767	0	02	90
	1715	0	04	80
	1706	0	05	10
	1705	0	05	20
	1704	0	07	50
	1703	0	06	50
	1702	0	05	40
	1701	0	11	80
		0	00	50

[सं. ओ-11027/9/88-ओ एनजी-डी 3]

S.O. 285.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of pet oleum from Mobha to Saraswani in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wished to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Mobha to Saraswani

State : Gujarat District : Vadodara Taluka : Padara

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Sadhi	478	0	03	70
	710	0	04	30
	709	0	07	80
	Cart track	0	02	70
	705	0	12	00
	699	0	03	00
	700	0	08	20
	696	0	07	30
	689	0	06	00
	690	0	03	20
	687	0	03	20
	2379	0	07	90
	Cart track	0	00	50
	553	0	08	50
	558	0	11	50
	1837	0	05	80
	1838	0	02	50
	1839	0	05	90
	1842	0	07	70
	1841	0	00	50
	1775	0	05	60
	1774	0	08	00
	1767	0	02	90
	1715	0	04	80
	1706	0	05	10
	1705	0	05	20
	1704	0	07	50
	1703	0	06	50
	1702	0	05	40
	1701	0	11	80
	Cart track	0	00	50

[No O-11027/9/88-ONG-DIII]

का. आ. 286.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन. के. ई. एक्स. से एन. के.-132 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदावश्यक अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप मध्यम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट—
यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी
सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की
मार्फत ।

अनुसूची

एन. के. ई. एस्म. से एन. के.—132 तक पाइपलाइन
बिछाने के लिए ।

राज्य—गुजरात जिला—अहमदाबाद तालुका—चिरमगाम
गांव सर्वे नं. हेक्टेयर आर. सेन्टीयर
तेलावी 233/1 0 08 88

ह. /-

सक्षम प्राधिकारी,

गुजरात राज्य एरिया,

[नं. ओ-11027/10/88-ओ एन जी-डी 3]

के. विवेकानन्द, डेस्क अधिकारी

S.O. 286.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKEX to NK-132 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipe line, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962, (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be here in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline From NKEX To NK- 132

State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka : Viramgam

Village	Survey No	Hectare	Ac	Centiare
Telavi	233/1	0	08	88

Sd./-

Competent Authority for Gujarat State Area

[No O 11027/10/88- ONG-D III]

K. VIVEKA NAND, Desk Officer

खाद्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर, 1987

का.आ. 287.—समय समय पर संशोधित भारतीय
मानक संस्था (प्रमाणन बिन्ह) विनियम 1955 के विनियम
8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था

अनुसूची

क्रम संख्या	सीएम/एल संख्या	वैध : तक
1	0000707	87-03-31
2.	0015821	87-01-31
3.	0040214	87-04-15
4.	0051522	87-03-31
5.	0101511	87-03-15
6.	0106622	87-02-28
7.	0121012	87-02-15
8.	0122721	87-03-15
9.	0123420	87-03-31
10.	0142424	87-04-15
11.	0154734	87-02-15
12.	0165032	87-03-15
13.	0165941	07-03-31
14.	0166034	87-03-31
15.	0166943	87-04-15
16.	0171532	86-12-16
17.	0177746	87-03-31
18.	0170041	87-04-15
19.	0179144	87-03-31
20.	0182537	87-04-15
21.	0185442	87-04-15
22.	0187749	87-03-31
23.	0195243	87-03-31
24.	0195748	87-04-30
25.	0225226	87-02-15
26.	0227331	87-02-28
27.	0228939	87-03-15
28.	0233828	87-03-31
29.	0240070	87-04-15
30.	0246335	87-03-31
31.	0247034	87-04-30
32.	0247913	86-12-15
33.	0257542	87-03-15
34.	0261432	87-03-31
35.	0262030	87-03-31
36.	0262131	87-03-31
37.	0262838	87-03-31
38.	0265945	87-03-31
39.	0273944	87-02-15
40.	0277447	87-03-31
41.	0286145	87-01-15
42.	0293546	87-03-31
43.	0296047	87-03-15
44.	0296552	87-03-31
45.	0300315	87-03-31
46.	0300416	87-03-31
47.	0301418	87-03-31
48.	0302319	87-03-31
49.	0334433	87-03-31
50.	0338037	87-04-15
51.	0338138	87-04-15
52.	0344436	87-02-15
53.	0357344	87-03-31
54.	0359853	87-04-15
55.	0360030	86-11-15
56.	0360333	87-04-15
57.	0363945	87-03-31

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
58.	0376247	87-03-31	124.	0602836	87-03-31
59.	0377653	87-03-31	125.	0603636	87-03-31
60.	0377956	87-03-31	126.	0604032	87-06-15
61.	0380945	87-04-30	127.	0604638	87-03-31
62.	0382040	87-03-31	128.	0605438	87-03-31
63.	0382242	87-04-30	129.	0607240	87-04-30
64.	0382343	87-04-30	130.	0611736	87-04-30
65.	0387959	87-04-15	131.	0613235	87-03-31
66.	0394552	87-02-28	132.	0624442	87-03-31
67.	0394855	87-03-31	133.	0626446	86-11-15
68.	0416132	87-03-28	134.	0628753	86-07-31
69.	0419845	87-02-31	135.	0637855	87-02-28
70.	0422733	87-03-28	136.	0640339	87-03-15
71.	0425032	87-02-30	137.	0651243	86-04-30
72.	0426539	87-03-15	138.	0659562	86-12-15
73.	0426741	87-03-31	139.	0664757	87-04-30
74.	0426842	87-03-31	140.	0669565	87-04-15
75.	0427440	87-03-31	141.	0669666	87-04-15
76.	0428644	87-03-31	142.	0672655	87-04-15
77.	0428947	87-03-31	143.	0673851	87-02-15
78.	0430328	87-03-31	144.	0673354	87-04-15
79.	0431734	87-04-15	145.	0684056	87-03-15
80.	0433839	87-04-30	146.	0684662	87-03-15
81.	0440432	87-03-31	147.	0685260	87-03-15
82.	0443034	87-04-30	148.	0686060	87-03-31
83.	0457954	87-04-15	149.	0687264	87-03-31
84.	0467957	87-03-31	150.	0687466	87-03-31
85.	0477657	86-05-31	151.	0688064	87-03-31
86.	0478861	87-04-30	152.	0688872	87-03-31
87.	0485757	87-02-15	153.	0689268	87-03-31
88.	0486456	87-04-15	154.	0689571	87-04-30
89.	0494253	87-04-15	155.	0689773	87-04-15
90.	0494354	87-04-15	156.	0689975	87-03-31
91.	0494455	87-04-15	157.	0690859	87-04-30
92.	0504432	87-03-30	158.	0690960	87-04-30
93.	0505636	87-03-15	159.	0691356	87-03-31
94.	0505838	87-03-31	160.	0691457	87-03-31
95.	0506638	87-03-15	161.	0691558	87-03-31
96.	0509038	87-03-31	162.	0691861	87-03-31
97.	0509644	87-04-15	163.	0692156	87-03-31
98.	0509745	87-03-31	164.	0692964	87-04-15
99.	0509947	87-04-15	165.	0693360	87-04-15
100.	0510023	87-04-15	166.	0693865	87-04-15
101.	0511024	87-04-15	167.	0695263	87-04-15
102.	0510326	87-04-30	168.	0696669	87-04-15
103.	0513332	87-04-15	169.	0697368	87-04-15
104.	0513534	87-03-15	170.	0711134	87-04-15
105.	0514334	87-03-31	171.	0716750	87-03-31
106.	0514536	87-04-15	172.	0718855	86-09-15
107.	0517138	87-04-15	173.	0723646	86-09-30
108.	0520834	87-04-30	174.	0736958	87-04-15
109.	0522131	87-03-31	175.	0741850	87-03-31
110.	0546044	87-03-31	176.	0745757	87-03-15
111.	0559558	87-03-31	177.	0757966	87-02-28
112.	0564248	86-11-30	178.	0758059	87-02-28
113.	0567355	86-11-30	179.	0758463	87-02-28
114.	0581854	86-12-31	180.	0758665	87-03-15
115.	0586359	87-03-31	181.	0758968	87-03-31
116.	0597970	87-03-31	182.	0759970	87-03-15
117.	0590249	86-09-15	183.	0760551	87-03-31
118.	0600731	87-03-15	184.	0761048	87-03-15
119.	0600933	87-03-31	185.	0761149	87-03-15
120.	0601420	87-03-31	186.	0762050	87-03-31
121.	0682021	87-03-31	187.	0762151	87-03-31
122.	0602533	87-04-30	188.	0762959	87-03-31
123.	0602634	87-04-30	189.	0763153	87-03-31

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
190.	0763759	87-03-31	253.	0859671	87-04-15
191.	0766268	87-03-31	254.	0859950	87-04-15
192.	0767868	87-04-15	255.	0860555	87-04-15
193.	0768062	87-04-15	256.	0860656	87-04-15
194.	0768365	87-04-15	257.	0860858	87-04-15
195.	0768668	87-04-15	258.	0861653	87-04-15
196.	0768769	87-04-15	259.	0861961	87-04-15
197.	0769266	87-04-15	260.	0862362	87-04-15
198.	0769569	87-04-15	261.	0862963	87-04-15
199.	0769872	87-04-15	262.	0863056	87-04-15
200.	0771051	87-04-15	263.	0863258	87-04-15
201.	0783563	87-02-28	264.	0866365	87-04-30
202.	0820341	87-04-15	265.	0867771	87-03-31
203.	0821444	87-04-15	266.	0870255	87-03-31
204.	0822446	87-03-31	267.	0886876	86-08-31
205.	0827456	87-04-30	268.	0887373	87-03-31
206.	0832449	87-03-15	269.	0888274	87-02-15
207.	0832550	87-03-15	270.	0888876	87-02-15
208.	0832853	87-01-31	271.	0888476	87-03-15
209.	0836962	87-04-15	272.	0889680	87-03-31
210.	0838057	87-02-28	273.	0839781	87-03-31
211.	0841450	87-03-15	274.	0895473	87-03-31
212.	0842048	87-03-15	275.	0897780	87-03-15
213.	0842149	87-03-15	276.	0902948	86-10-15
214.	0842250	87-03-15	277.	0908254	86-10-31
215.	0843656	87-03-15	278.	0911748	86-11-15
216.	0845660	87-03-15	279.	0921549	87-04-15
217.	0845761	87-03-15	280.	0921953	86-12-15
218.	0846460	87-03-31	281.	0929767	87-03-31
219.	0846864	87-04-15	282.	0933354	87-04-15
220.	0847159	87-08-31	283.	0933455	87-01-31
221.	0847361	87-03-15	284.	0933556	87-01-31
222.	084260	87-03-15	285.	0938566	87-02-15
223.	0847866	87-03-31	286.	0939866	87-02-15
224.	0847967	87-03-31	287.	0943660	87-02-28
225.	0848060	87-03-31	288.	0944859	87-02-28
226.	0848161	87-03-31	289.	0944460	87-02-28
227.	0848464	87-03-31	290.	0945967	87-02-28
228.	0848666	87-03-31	291.	0946565	87-02-28
229.	0848969	87-03-31	292.	0947163	87-02-28
230.	0850148	87-03-31	293.	0948569	87-03-28
231.	0850350	87-03-31	294.	0949369	87-03-15
232.	0850855	87-03-31	295.	0950253	87-03-15
233.	0851655	87-03-31	296.	0950758	87-03-15
234.	0852556	87-04-15	297.	0951760	87-03-15
235.	0852657	87-04-15	298.	0953360	87-03-31
236.	0852758	87-04-15	299.	0953562	87-03-31
237.	0852859	87-04-15	300.	0953764	87-03-31
238.	0853053	87-04-15	301.	0953865	87-03-31
239.	0853356	87-04-15	302.	0954059	87-03-31
240.	0853457	87-04-15	303.	0954160	87-03-31
241.	0853558	87-03-31	304.	0954362	87-03-31
242.	0853659	87-04-15	305.	0954665	87-03-31
243.	0853760	87-04-15	306.	0954968	87-03-31
244.	0853861	87-04-15	307.	0955061	87-03-31
245.	0853962	87-03-31	308.	0955162	87-03-31
246.	0855764	87-04-15	309.	0955263	87-03-31
247.	0856160	87-04-15	310.	0955364	87-03-31
248.	0856261	87-04-15	311.	0955465	87-03-31
249.	0856362	87-04-15	312.	0956871	87-03-15
250.	0856665	87-04-15	313.	0957267	87-03-31
251.	0857263	87-04-15	314.	0957368	87-03-31
252.	0858265	87-04-15	315.	0957469	87-03-31

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
316.	0957570	87-03-31	382.	1058844	87-03-31
317.	0958168	87-03-31	383.	1059139	87-03-31
318.	0938370	87-03-31	384.	1059240	87-03-31
319.	0958471	87-03-31	385.	1059341	87-04-15
320.	0958774	87-03-31	386.	1060023	87-03-31
321.	0959170	87-03-31	387.	1060124	87-03-31
322.	0959372	87-03-31	388.	1060225	87-03-31
323.	0959574	87-03-31	389.	1060326	87-03-31
324.	0959776	87-03-31	390.	1060427	87-03-31
325.	0960054	87-03-15	391.	1060528	87-03-31
326.	0961085	87-04-15	392.	1062128	87-03-31
327.	0961460	87-04-15	393.	1062431	87-03-31
328.	0961763	87-03-31	394.	1062330	87-04-15
329.	0961864	87-04-15	395.	1062633	87-04-15
330.	0961965	87-04-15	396.	1062936	87-03-15
331.	0962563	87-04-15	397.	1063029	87-03-15
332.	0962765	87-04-30	398.	1063130	87-03-15
333.	0966571	87-04-30	377.	1063231	87-04-15
234.	1001512	87-03-15	400.	1063332	87-04-15
335.	1002110	87-04-35	401.	1063635	87-04-15
336.	1007423	87-02-15	402.	1063736	87-04-15
337.	1008223	86-11-30	403.	1063837	87-04-15
338.	1009124	87-03-15	404.	1063938	87-04-15
339.	1017931	87-02-15	405.	1064536	87-04-15
340.	1026124	87-01-15	406.	1064839	87-04-15
341.	1027328	87-01-15	407.	1065033	87-04-15
342.	1029837	87-02-16	408.	1065538	87-03-31
343.	1034931	87-02-28	409.	1066237	87-04-30
344.	1036127	87-02-15	410.	1067643	87-03-15
345.	1037129	87-02-15	411.	1068140	87-04-15
346.	1040825	87-03-15	412.	1069647	87-04-15
347.	1042425	87-03-15	413.	1071432	87-04-31
348.	1042526	87-03-15	414.	1072131	87-04-31
249.	1042829	87-03-15	415.	1072333	87-04-15
250.	1043427	87-03-15	416.	1072737	87-04-30
351.	1044227	87-03-15	417.	1072838	87-04-15
352.	1044530	87-03-31	418.	1073032	87-03-31
353.	1045431	87-03-15	419.	1074135	87-03-31
354.	1045532	87-03-15	420.	1088449	86-05-31
355.	1047132	87-03-31	421.	1095648	87-04-30
356.	1047637	87-03-15	422.	1100009	87-03-15
357.	1048033	87-02-15	423.	1118434	87-04-15
358.	1048134	87-11-30	424.	1120823	87-04-15
359.	1048538	87-04-30	425.	1123231	87-03-31
360.	1050424	87-03-15	426.	1125530	86-10-31
361.	1050626	87-03-15	427.	1132123	86-11-30
362.	1050929	87-03-15	428.	1137234	86-12-15
363.	1051830	87-03-31	429.	1150630	86-01-31
364.	1053834	87-03-15	430.	1155034	87-04-15
365.	1054331	87-04-01	431.	1156339	87-02-15
366.	1054533	87-03-31	432.	1156945	87-02-15
367.	1054735	87-03-15	433.	1160936	87-02-15
368.	1055131	87-03-31	434.	1161231	87-02-15
369.	1055434	87-03-31	435.	1161837	87-02-28
370.	1055535	87-03-31	436.	1162536	87-02-28
371.	1055838	87-03-31	437.	1163033	87-02-28
372.	1056032	87-03-15	438.	1163235	87-02-28
373.	1056138	87-03-15	439.	1163740	87-02-28
374.	1056335	87-03-15	440.	1164540	87-02-28
275.	1056638	87-03-31	441.	1164843	87-02-28
276.	1056739	87-03-31	442.	1165441	87-02-28
377.	1057034	87-03-15	443.	1165845	87-02-28
378.	1057236	87-03-15	444.	1166746	87-02-28
379.	1058238	87-03-31	445.	1167142	87-02-28
300.	1058339	87-03-31	446.	1169550	86-03-15
381.	1058642	87-03-31			

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
447.	1171032	87 03 15	513	1287556	87-03-35
448.	1172943	87 03 31	514	1287657	87-03 15
449.	1172440	87 03 31	515.	1287758	87-03-15
450.	1172541	87 03 31	516.	1288255	87-03-15
451.	1173743	87 03 31	517.	1288659	87-03-15
452.	1173844	87 03 31	518	1288962	87-03-15
453.	1173945	87 03 15	519.	1289156	87-03-15
454.	1174038	87 03 15	520.	1289560	87-03-15
455.	1174139	87 03 15	521.	1290040	87-03-15
456	1174240	87 03 31	522.	1290141	87-03-15
457.	1174442	87 03 31	523.	1290444	86-05-31
458.	1174543	87 03 31	524.	1290545	87-03-31
459.	1174846	87 03 31	525.	1291143	87-03-31
460.	1175545	87 03 15	526	1291345	87-03-31
461.	1176345	87 03 15	527	1291547	87-03-15
462.	1176446	87 03 15	528.	1291850	87-03-31
463.	1176648	87 04 15	529	1292044	87-03-31
464.	1176749	87 04 15	530.	1292145	87-10-15
465.	1176951	86 04 15	531.	1292347	87-03-31
466.	1177044	87 04 15	532.	1292448	87-03-31
467.	1177347	87 04 15	533.	1292650	87-03-31
468.	1178652	87 04 15	534.	1292751	87-03-31
469.	1180134	87 04 30	535.	1293046	87-03-31
470.	1180437	87-04-15	536	1293349	87-03-31
471.	1180639	87-04-30	537	1293450	87-03-31
472.	1180942	87-04-30	538.	1293753	87-03-31
473.	1181944	87-04-30	539	1294250	87-03-31
474.	1187148	86-05-15	540.	1294654	87-10-15
475.	1189253	86-05-31	541	1294856	87-03-31
476.	1193850	86-06-15	542	1294957	87-03-31
477.	1204122	87-03-31	543.	1295050	87-03-31
478.	1208130	86-07-15	544.	1295252	87-03-31
479.	1211018	86-70-31	545.	1295353	87-03-31
480.	1212121	86-07-31	546.	1296456	87-03-31
481.	1220827	86-08-15	547.	1297256	87-03-31
482.	1240025	86-10-15	548.	1297357	87-03-31
483.	1235032	86-09-30	549.	1297862	87-03-15
484.	1240732	86-10-15	550.	1298056	87-03-31
485.	1241330	86-10-15	551.	1298157	87-03-31
486.	1242029	86-10-31	552	1298763	87-03-31
487.	1248748	86-11-30	553.	1298864	87-03-31
488.	1250928	86-11-30	554.	1298965	87-03-31
489.	1260738	86-12-31	555.	1299058	87-03-31
490.	1271743	87-01-31	556.	1299159	87-03-31
491.	1274042	87-01-31	557.	1299361	87-03-31
492.	1277452	87-08-31	558.	1299664	87-03-31
493	1280138	87-02-15	559.	1299765	87-03-31
494.	1281443	87-02-28	560.	1300926	87-04-15
495.	1281544	87-02-28	561.	1301120	87-14-15
496.	1281948	87-02-28	562.	1301322	87-04-15
497.	1282849	87-02-28	563.	1301423	87-04-15
498.	1282950	87-02-28	564.	1301625	87-07-15
499	1283144	87-02-28	565.	1301837	87-04-15
500.	1283346	87-02-28	566.	1301928	87-04-15
501.	1283548	87-02-28	567.	1302021	87-04-15
502.	1284348	87-03-15	568	1302223	87-04-15
503.	1284449	87-03-15	569	1302324	87-04-15
504.	1284550	87-03-15	570.	1302425	87-04-30
505.	1284752	87-03-15	571.	1302526	87-04-15
506.	1285148	87-03-15	572.	1302829	87-04-15
507.	1285249	87-03-15	573.	1300724	87-04-15
508.	1285350	87-03-15	574.	1303124	87-03-31
509.	1285451	87-03-15	575	1303326	87-03-31
510.	1286049	87-03-31	576	1303730	87-04-15
511.	1286857	87-03-15	577.	1303831	87-04-15
512.	1287051	87-03-15			

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
578.	1304631	87-04-15	644.	1391955	87-03-15
579.	1304833	87-04-15	645.	1392048	87-03-15
580.	1305633	87-04-30	646.	1392149	87-03-15
581.	1385835	87-04-30	647.	1392250	87-03-15
582.	1307233	87-04-30	648.	1392351	87-03-15
583.	1317438	87-06-15	649.	1392654	87-03-31
584.	1336038	86-08-31	650.	1393353	87-04-15
585.	1341839	86-09-15	651.	1393454	87-03-31
586.	1343237	86-09-30	652.	1393656	87-03-31
587.	1348853	86-10-15	653.	1393757	87-03-31
588.	1356852	86-12-31	654.	1393858	87-03-31
589.	1365146	87-01-15	655.	1394052	87-03-31
590.	1366956	87-01-31	656.	1394153	87-03-31
591.	1367049	87-01-31	657.	1394254	87-03-31
592.	1371848	87-02-15	658.	1394355	86-06-15
593.	1372942	87-02-15	659.	1394456	87-11-15
594.	1373347	87-02-15	660.	1394557	87-04-30
595.	1373448	87-02-15	661.	1394961	86-06-30
596.	1374147	87-02-28	662.	1395256	87-03-31
597.	1374753	87-02-28	663.	1395357	87-03-31
598.	1375149	87-02-28	664.	1395458	87-03-31
599.	1375654	87-02-28	665.	1395559	87-03-15
600.	1375755	87-02-28	666.	1395660	87-03-31
601.	1375856	87-02-28	667.	1395761	87-03-31
602.	1376454	87-02-28	668.	1396359	87-03-31
603.	1376656	87-02-28	669.	1396561	87-03-31
604.	1376757	87-02-28	670.	1396662	87-03-31
605.	1376858	87-02-28	671.	1396763	87-03-31
606.	1378256	87-02-28	672.	1396864	87-03-31
607.	1378458	87-02-28	673.	1391260	87-03-31
608.	1378660	87-02-28	674.	1397361	87-03-31
609.	1378862	87-02-28	675.	1397563	87-03-31
610.	1378963	87-02-28	676.	1397866	87-03-31
611.	1379157	87-02-28	677.	1398363	87-03-31
612.	1379561	87-03-31	678.	1398464	87-03-31
613.	1379673	87-02-28	679.	1398767	87-03-31
614.	1380344	87-02-28	680.	1398969	87-03-31
615.	1381346	87-02-28	681.	1399062	87-03-31
616.	1381952	87-02-28	682.	1399466	87-03-31
617.	1382449	87-02-28	683.	1399668	87-03-31
618.	1382954	87-02-28	684.	1399769	87-03-31
619.	1383047	87-02-28	685.	1400021	87-03-31
620.	1384453	87-02-28	686.	1400122	87-03-21
621.	1384958	87-02-28	687.	1400223	87-03-31
622.	1385354	87-02-28	688.	1400930	87-03-31
623.	1385455	87-02-28	689.	1401124	87-03-31
624.	1385960	87-02-28	690.	1401528	87-04-15
625.	1386356	87-02-28	691.	1401730	87-03-31
626.	1386861	87-03-15	692.	1401831	87-03-31
627.	1387762	87-02-28	693.	1401932	87-03-31
628.	1387863	87-03-15	694.	1402025	87-03-31
629.	1388158	87-03-15	695.	1402631	87-03-31
630.	1388259	87-03-15	696.	1402833	87-03-31
631.	1388360	87-03-15	697.	1402934	87-11-15
632.	1388865	87-03-15	698.	1403027	87-03-31
633.	1389059	87-03-15	699.	1403128	87-03-31
634.	1389160	87-03-15	700.	1403229	87-03-31
635.	1390044	87-03-15	701.	1403330	87-03-31
636.	1390145	87-03-15	702.	1403431	87-03-31
637.	1390246	87-03-15	703.	1403532	87-03-31
638.	1390549	87-03-15	704.	1403633	87-03-31
639.	1390953	87-03-15	705.	1403734	87-03-31
640.	1391046	87-03-15	706.	1403835	87-03-31
641.	1391248	87-03-15	707.	1403936	87-03-31
642.	1391753	87-03-15	708.	1404231	87-04-15
643.	1391854	87-03-15	709.	1404332	87-04-15

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
710.	1404433	87-04-15	777.	1417240	87-04-15
711.	1404534	87-04-15	778.	1417644	87-04-15
712.	1404837	87-04-15	779.	1417846	87-04-15
713.	1404938	87-04-15	780.	1417947	87-04-15
714.	1405637	87-04-15	781.	1418040	87-04-15
715.	1405738	87-04-15	782.	1418141	87-04-15
716.	1405839	87-12-31	783.	1418242	87-04-15
717.	1405940	87-04-15	784.	1418343	87-04-15
718.	1406134	87-04-15	785.	1418646	87-04-15
719.	1406336	87-03-31	786.	1419042	87-04-30
720.	1406538	87-04-15	787.	1419143	87-04-30
721.	1406639	87-03-31			
722.	1406841	87-04-15			
723.	1407237	87-04-15			
724.	1407338	87-04-15			
725.	1407439	87-04-15			
726.	1408077	87-04-15			
727.	1408138	87-04-15			
728.	1408542	87-04-15			
729.	1408643	87-04-15			
730.	1408845	87-03-31			
731.	1409342	87-03-31			
732.	1409544	87-03-31			
733.	1409645	87-04-15			
734.	1409746	87-04-15			
735.	1410428	87-04-15			
736.	1410630	87-04-15			
737.	1410933	87-04-15			
738.	1411026	87-04-15			
739.	1411127	87-04-15			
740.	1411228	87-04-15			
741.	1411329	87-04-15			
742.	1411430	87-04-15			
743.	1411531	87-05-31			
744.	1411733	87-04-15			
745.	1411834	87-04-15			
746.	1412331	87-04-15			
747.	1412432	86-04-15			
748.	1412634	87-04-15			
749.	1412937	87-04-15			
750.	1413030	87-04-15			
751.	1413232	87-04-15			
752.	1413333	87-04-15			
753.	1413535	87-04-15			
754.	1413737	87-04-15			
755.	1413838	87-04-15			
756.	1413939	87-04-15			
757.	1414133	87-04-15			
758.	1414234	87-04-15			
759.	1414335	87-04-15			
760.	1414840	87-04-15			
761.	1414941	87-04-15			
762.	1415034	87-04-15			
763.	1415135	87-04-15			
764.	1415236	87-04-15			
765.	1415438	87-04-15			
766.	1415539	87-04-15			
767.	1415640	87-04-15			
768.	1415842	88-01-15			
769.	1415943	87-04-15			
770.	1416036	87-04-15			
771.	1416137	87-04-15			
772.	1416238	87-04-15			
773.	1416339	87-04-15			
774.	1416642	87-06-30			
775.	1416743	87-04-15			
776.	1416844	87-04-15			

[सं री एस डी-13:12]

बी० एन० मिह, अवर सहायिदेशक

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 28th December, 1987

S.O. 287.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institutions (Certification Marks) Regulations 1955; as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that 787 licences particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of April 1986

SCHEDULE

Sl. No.	CM/L No.	Valid upto
1	2	3
1.	0000707	87-03-31
2.	0015821	87-01-31
3.	0040214	87-04-15
4.	0051522	87-03-31
5.	0101511	97-03-15
6.	0106622	87-02-28
7.	0121012	87-02-15
8.	0122721	87-03-15
9.	0123420	87-03-31
10.	0142424	87-04-15
11.	0154734	87-02-15
12.	0165032	87-03-15
13.	0165941	87-03-31
14.	0166034	87-03-31
15.	0166943	87-04-15
16.	0171532	86-12-16
17.	0177746	87-03-31
18.	0178041	87-04-15
19.	0179144	87-03-31
20.	0182537	87-04-15
21.	0185442	87-04-15
22.	0187749	87-03-31
23.	0195243	87-03-31
24.	0195748	87-04-30
25.	0225226	87-02-15
26.	0227331	87-02-28
27.	0228939	87-03-15
28.	0233528	87-03-31
29.	0240020	87-04-15
30.	0246335	87-03-31
31.	0247034	87-04-30
32.	0247943	87-12-15

1	2	3	1	2	3
33.	0257542	87-03-15			
34.	0261432	87-03-31	98.	0509745	87-03-31
35.	0262030	87-03-31	99.	0509947	87-04-15
36.	0262131	87-03-31	100.	0510023	87-04-15
37.	0262838	87-03-31	101.	0510124	87-04-15
38.	0265945	87-03-31	102.	0510326	87-04-30
39.	0273944	87-02-15	103.	0513332	87-04-15
40.	0277447	87-03-31	104.	0513534	87-03-15
41.	0286145	87-01-15	105.	0514334	87-03-31
42.	0293546	87-03-31	106.	0514536	87-04-15
43.	0296047	87-03-15	107.	0517138	87-04-15
44.	0296552	87-03-31	108.	0520834	87-04-30
45.	0300315	87-03-31	109.	0522131	87-03-31
46.	0300416	87-03-31	110.	0546044	87-03-31
47.	0301418	87-03-31	111.	0559558	87-03-31
48.	0302317	87-03-31	112.	0564248	86-11-30
49.	0334433	87-03-31	113.	0567355	86-11-30
50.	0338037	87-04-15	114.	0581854	86-12-31
51.	0338138	87-04-15	115.	0586359	87-03-31
52.	0344436	87-02-15	116.	0597970	87-03-31
53.	0357344	87-03-31	117.	0590249	86-09-15
54.	0359853	87-04-15	118.	0600731	87-03-15
55.	0360030	86-11-15	119.	0600933	87-03-31
56.	0360333	87-04-15	120.	0601430	87-03-31
57.	0363945	87-03-31	121.	0602028	87-03-31
58.	0376247	87-03-31	122.	0602533	87-04-30
59.	0377653	87-03-31	123.	0602634	87-04-30
60.	0377956	87-03-31	124.	0602836	87-03-31
61.	0380945	87-04-30	125.	0603636	87-03-31
62.	0382040	87-03-31	126.	0604032	87-06-15
63.	0382242	87-04-30	127.	0604638	87-03-31
64.	0382343	87-04-30	128.	0605438	87-03-31
65.	0387959	87-04-15	129.	0607240	87-04-30
66.	0394552	87-02-28	130.	0611736	87-04-30
67.	0394855	87-03-31	131.	0613235	87-03-31
68.	0416132	87-02-28	132.	0624442	87-03-31
69.	0419845	87-03-31	133.	0626446	86-11-15
70.	0422733	87-02-28	134.	0628753	86-07-31
71.	0425032	87-04-30	135.	0637855	87-02-28
72.	0426539	87-03-15	136.	0640339	87-03-15
73.	0426741	87-03-31	137.	0651243	87-01-30
74.	0426842	87-03-31	138.	0659562	87-12-15
75.	0427440	87-03-31	139.	0664757	87-04-30
76.	0428664	87-03-31	140.	0669565	87-04-15
77.	0428947	87-03-31	141.	0669666	87-04-15
78.	0430328	87-08-31	142.	0672655	87-04-15
79.	0431734	87-04-15	143.	0673051	87-02-15
80.	0433839	87-04-30	144.	0673354	87-04-15
81.	0440432	87-03-31	145.	0684056	87-03-15
82.	0443034	87-04-30	146.	0684662	87-03-15
83.	0457954	87-04-15	147.	0685260	87-03-15
84.	0467957	87-03-31	148.	0686060	87-03-31
85.	0477657	86-05-31	149.	0687264	87-03-31
86.	0478861	87-04-30	150.	0687466	87-03-31
87.	0485757	87-02-15	151.	0688064	87-03-31
88.	0486456	87-04-15	152.	0688872	87-03-31
89.	0494253	87-04-15	153.	0689268	87-03-31
90.	0494354	87-04-15	154.	0689571	87-04-30
91.	0494455	87-04-15	155.	0689773	87-04-15
92.	0504432	87-04-30	156.	0689975	87-03-31
93.	0505636	87-03-15	157.	0690859	87-04-30
94.	0505838	87-03-31	158.	0690960	87-04-30
95.	0506638	87-03-15	159.	0691356	87-03-31
96.	0509038	87-03-31	160.	0691457	87-03-31
97.	0509644	87-04-15	161.	0691558	87-03-31

1	2	3	1	2	3
162.	0691861	87-03-31	227.	0848464	87-03-31
163.	0692156	87-03-31	228.	0848666	87-03-31
164.	0692964	87-04-15	229.	0848969	87-03-31
165.	0693360	87-04-15	230.	0850148	87-03-31
166.	0693865	87-04-15	231.	0850350	87-03-31
167.	0695263	87-04-15	232.	0850855	87-03-31
168.	0676669	87-04-15	233.	0851655	87-03-31
169.	0697368	87-04-15	234.	0852556	87-04-15
170.	0711134	87-04-15	235.	0852657	84-04-15
171.	0716750	87-03-31	236.	0852758	87-04-15
172.	0718855	86-09-15	237.	0852859	87-04-15
173.	0723646	86-09-30	238.	0853053	87-04-15
174.	0736958	87-04-15	239.	0853356	87-04-15
175.	0741850	87-03-31	240.	0853457	87-04-15
176.	0745757	87-03-15	241.	0853558	87-03-31
177.	0757966	87-02-28	242.	0853659	87-04-15
178.	0758059	87-02-28	243.	0853760	87-04-15
179.	0758463	87-02-28	244.	0853861	87-04-15
180.	0758665	87-03-15	245.	0853962	87-03-31
181.	0758968	87-03-31	246.	0855764	87-04-15
182.	0759970	87-03-15	247.	0856160	87-04-15
183.	0760551	87-03-31	248.	0856261	87-04-15
184.	0761048	87-03-15	249.	0856362	87-04-15
185.	0761149	87-03-15	250.	0856665	87-04-15
186.	0762050	87-03-31	251.	0857263	87-04-15
187.	0762151	87-03-31	252.	0858265	87-04-15
188.	0762959	87-03-31	253.	0859671	87-04-15
189.	0763153	87-03-31	254.	0860050	87-04-15
190.	0763759	87-03-31	255.	0860555	87-04-15
191.	0766260	87-03-31	256.	0860656	87-04-15
192.	0767868	87-04-15	257.	0860858	87-04-15
193.	0768062	87-04-15	258.	0861658	81-04-15
194.	0768365	87-04-15	259.	0861961	87-04-15
195.	0768668	87-04-15	260.	0862862	87-04-15
196.	0768769	87-04-15	261.	0862963	87-04-15
197.	0769266	87-04-15	262.	0863056	87-04-15
198.	0769569	87-04-15	263.	0863258	87-04-15
199.	0769872	87-04-15	264.	0866365	87-04-30
200.	0771051	87-04-15	265.	0867771	87-03-31
201.	0783563	87-02-28	266.	0870255	87-03-31
202.	0820341	87-04-15	267.	0886876	87-03-31
203.	0821444	87-04-15	268.	0887373	87-03-31
204.	0822446	87-03-31	269.	0888274	87-02-15
205.	0827456	87-04-30	270.	0888375	87-02-15
206.	0832449	87-03-15	271.	0888476	87-02-15
207.	0832550	87-03-15	272.	0889680	87-03-31
208.	0832853	87-01-31	273.	0889781	87-03-31
209.	0836962	87-04-15	274.	0895473	87-03-31
210.	0838057	87-02-28	275.	0897780	87-03-15
211.	0841450	87-03-15	276.	0902848	86-10-15
212.	0842048	87-03-15	277.	0908254	86-10-31
213.	0842149	87-03-15	278.	0911748	86-11-15
214.	0842250	87-03-15	279.	0921549	87-04-15
215.	0843656	87-03-15	280.	0921953	86-12-15
216.	0845660	87-03-15	281.	0929767	87-03-31
217.	0845761	87-03-15	282.	0933354	87-04-15
218.	0846460	87-03-31	283.	0933455	87-01-31
219.	0846864	87-04-15	284.	0933556	87-01-31
220.	0847159	87-08-31	285.	0938566	87-02-15
221.	0847361	87-03-15	286.	0939366	87-02-15
222.	084260	87-03-15	287.	0943660	87-02-28
223.	0847866	87-03-31	288.	0944359	87-02-28
224.	0847967	87-03-31	289.	0944460	87-02-28
225.	0848060	87-03-31	290.	0945967	87-02-28
226.	0848161	87-03-31	291.	0946565	87-02-28

1	2	3	1	2	3
292.	0947163	87-02-28	355.	1047132	87-03-31
293.	0948569	87-02-28	356.	1047637	87-03-15
294.	0949369	87-03-15	357.	1048033	87-02-15
295.	0950253	87-03-15	358.	1048134	87-11-30
296.	0950758	87-03-15	359.	1048538	87-04-30
297.	0951760	87-03-15	360.	1050424	87-03-15
298.	0953360	87-03-31	361.	1050626	87-03-15
299.	0953562	87-03-31	362.	1050929	87-03-15
300.	0953764	87-03-31	363.	1051830	87-03-31
301.	0953865	87-03-31	364.	1053834	87-03-15
302.	0954059	87-03-31	365.	1054331	87-04-01
303.	0954160	87-03-31	366.	1054533	87-03-31
304.	0954362	87-03-31	367.	1054735	87-03-15
305.	0954665	87-03-31	368.	1055131	87-03-31
306.	0954968	87-03-31	369.	1055434	87-03-31
307.	0955061	87-03-31	370.	1055535	87-03-31
308.	0955162	87-03-31	371.	1055838	87-03-31
309.	0955263	87-03-31	372.	1056032	87-03-15
310.	0955364	87-03-31	373.	1056133	87-03-15
311.	0955465	87-03-31	374.	1056335	87-03-15
312.	0956871	87-03-15	375.	1056638	87-03-31
313.	0957267	87-03-31	376.	1056739	87-03-31
314.	0957368	87-03-31	377.	1057034	87-03-15
315.	0957469	87-03-31	378.	1057236	87-03-15
316.	0957570	87-03-31	379.	1058238	87-03-31
317.	0958168	87-03-31	380.	1058339	87-03-31
318.	0958370	87-03-31	381.	1058642	87-03-31
319.	0958471	87-03-31	382.	1058844	87-03-31
320.	0958774	87-03-31	383.	1059139	87-03-31
321.	0959170	87-03-31	384.	1059240	87-03-31
322.	0959372	87-03-31	385.	1059341	87-04-15
323.	0959574	87-03-31	386.	1060023	87-03-31
324.	0959776	87-03-31	387.	1060124	87-03-31
325.	0960054	87-04-15	388.	1060225	87-03-31
326.	0961056	87-04-15	389.	1060326	87-03-31
327.	0961460	87-04-15	390.	1060427	87-03-31
328.	0961763	87-03-31	391.	1060528	87-03-31
329.	0961864	87-04-15	392.	1062128	87-03-31
330.	0961965	87-04-15	393.	1062431	87-03-31
331.	0962563	87-04-15	394.	1062330	87-04-15
332.	0962765	87-04-30	395.	1062633	87-04-15
333.	0966571	87-04-30	396.	1062936	87-03-15
334.	1001512	87-03-15	397.	1063029	87-03-15
335.	1002110	87-04-30	398.	1063130	87-03-15
336.	1007423	87-02-15	399.	1063231	87-04-15
337.	1008223	87-11-30	400.	1063332	87-04-15
338.	1009124	87-03-15	401.	1063635	87-04-15
339.	1017931	87-02-15	402.	1063736	87-04-15
340.	1026124	87-01-15	403.	1063837	87-04-15
341.	1027328	87-01-15	404.	1063938	87-04-15
342.	1029837	87-02-16	405.	1064536	87-04-15
343.	1034931	87-02-28	406.	1064839	87-04-15
344.	1036127	87-02-15	407.	1065033	87-04-15
345.	1037129	87-02-15	408.	1065538	87-03-31
346.	1040825	87-03-15	409.	1066237	87-04-30
347.	1042425	87-03-15	410.	1067643	87-03-15
348.	1042526	87-03-15	411.	1068140	87-04-15
349.	1042829	87-03-15	412.	1069647	87-04-15
350.	1043427	87-03-15	413.	1071432	87-03-31
351.	1044227	87-03-15	414.	1072131	87-04-31
352.	1044530	87-03-31	415.	1072333	87-04-15
353.	1045431	87-03-15	416.	1072737	87-04-30
354.	1045532	87-03-15	417.	1072838	87-04-15
			418.	1073032	87-03-31
			419.	1074135	87-03-31

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
420.	1088449	86-05-31	486.	1242029	86-10-31
421.	1095648	87-04-30	487.	1248748	86-11-30
422.	1100009	87-03-15	488.	1250028	86-11-30
423.	1119434	87-04-15	489.	1260738	86-12-31
424.	1120823	87-04-15	490.	1271743	87-01-31
425.	1122221	87-03-31	491.	1274042	87-01-31
426.	1125530	86-10-31	492.	1277452	87-08-31
427.	1132123	86-11-30	493.	1280138	87-02-15
428.	1137234	86-12-15	494.	1281443	87-02-28
429.	1150630	87-10-31	495.	1281544	87-02-28
430.	1155034	86-04-15	496.	1281948	87-02-28
431.	1156339	87-02-15	497.	1282849	87-02-28
432.	1156945	87-02-15	498.	1282950	87-02-28
433.	1160936	87-02-15	499.	1283144	87-02-28
434.	1161231	87-02-15	500.	1283346	87-02-28
435.	1161837	87-02-28	501.	1283548	87-02-28
436.	1162536	87-02-28	502.	1284348	87-03-15
437.	1163033	87-02-28	503.	1284449	87-03-15
438.	1163235	87-02-28	504.	1284550	87-03-15
439.	1163740	87-02-28	505.	1284752	87-03-15
440.	1164540	87-02-28	506.	1285148	87-03-15
441.	1164843	87-02-28	507.	1285249	87-03-15
442.	1165441	87-02-28	508.	1285350	87-30-15
443.	1165845	87-02-28	509.	1285451	87-03-15
444.	1166746	87-02-28	510.	1286049	87-03-31
445.	1167142	87-02-28	511.	1286857	87-03-15
446.	1169550	87-03-15	512.	1287051	87-03-15
447.	1171032	87-03-15	513.	1287556	87-03-15
448.	1172943	87-03-31	514.	1287657	87-03-15
449.	1173440	87-03-31	515.	1287758	87-03-15
450.	1173541	87-03-31	516.	1288255	87-03-15
451.	1173743	87-03-31	517.	1288659	87-03-15
452.	1173844	87-03-31	518.	1288962	87-03-15
453.	1173945	87-03-15	519.	1289156	87-03-15
454.	1174038	87-03-15	520.	1289560	87-03-15
455.	1174139	87-03-15	521.	1290040	87-03-15
456.	1174240	87-03-31	522.	1290141	87-03-15
457.	1174442	87-03-31	523.	1290444	86-05-31
458.	1174543	87-03-31	524.	1290545	87-03-31
459.	1174846	87-03-31	525.	1291143	87-03-31
460.	1175545	87-03-15	526.	1291345	87-03-31
461.	1176345	87-03-15	527.	1291547	87-03-15
462.	1176446	87-03-15	528.	1291850	87-03-31
463.	1176648	87-04-15	529.	1292044	87-03-31
464.	1176749	87-04-15	530.	1292145	87-10-15
465.	1176951	87-04-15	531.	1292347	87-03-31
466.	1177044	87-04-15	532.	1292448	87-03-31
467.	1177347	87-04-15	533.	1292650	87-03-31
468.	1178652	87-04-15	534.	1292751	87-03-31
469.	1180134	87-04-30	535.	1293046	87-03-31
470.	1180437	87-04-15	536.	1293349	87-03-31
471.	1180639	87-04-30	537.	1293450	87-03-31
472.	1180942	87-04-30	538.	1293753	87-03-31
473.	1181944	87-04-30	539.	1294250	87-03-31
474.	1187148	86-05-15	540.	1294654	87-10-15
475.	1189253	86-05-31	541.	1294856	87-03-31
476.	1193850	86-06-15	542.	1294957	87-03-31
477.	1204122	87-03-31	543.	1295050	87-03-31
478.	1208130	86-07-15	544.	1295252	87-03-31
479.	1211018	86-07-31	545.	1295353	87-03-31
480.	1212121	86-07-31	546.	1296456	87-03-31
481.	1220827	86-08-15	547.	1297256	87-03-31
482.	1230025	86-10-15	548.	1297357	87-03-31
483.	1235032	86-09-30	549.	1297862	87-03-15
484.	1240732	86-10-15	550.	1298056	87-03-31
485.	1241330	86-10-15	551.	1298157	87-03-31

(1)	(2)	(3)	(2)	(3)	
552.	1298763	87-03-31	619.	1383047	87-02-28
553.	1298864	87-03-31	620.	1384453	87-02-28
554.	1298965	87-03-31	621.	1384958	87-02-28
555.	1299058	87-03-31	622.	1385354	87-02-28
556.	1299159	87-03-31	623.	1385455	87-02-28
557.	1299361	87-03-31	624.	1385960	87-02-28
558.	1299664	87-03-31	625.	1386356	87-02-28
559.	1299765	87-04-15	626.	1386861	87-03-15
560.	1300926	87-04-15	627.	1386762	87-02-28
561.	1301120	87-04-15	628.	1387863	87-03-15
562.	1301322	87-04-15	629.	1388158	87-03-15
563.	1301423	87-04-15	630.	1388259	87-03-15
564.	1301625	87-07-15	631.	1388360	87-03-15
565.	1301837	87-04-15	632.	1388865	87-30-15
566.	1301928	87-04-15	633.	1389059	87-03-15
567.	1302021	87-04-15	634.	1389160	87-08-15
568.	1302223	87-04-15	635.	1390044	87-03-15
569.	1302324	87-04-15	636.	1390145	87-03-15
570.	1302425	87-04-30	637.	1390246	87-03-15
571.	1302526	87-04-15	638.	1390549	87-03-15
572.	1302829	87-04-15	639.	1390593	87-03-15
573.	1300724	87-04-15	640.	1391046	87-03-15
574.	1303124	87-08-31	641.	1391248	87 03 15
575.	1303326	87-03-31	642.	1391753	87-03-15
576.	1303730	87-04-15	643.	1391854	87-03-15
577.	1303831	87-04-15	644.	1391955	87-03-15
578.	1304631	87-04-15	645.	1392048	87-03-15
579.	1304823	87-04-15	646.	1392149	87-03-15
580.	1305633	87-04-30	647.	1392250	87-03-15
581.	1305835	87-04-30	648.	1392351	87-03-15
582.	1307233	87-04-30	649.	1392654	87-03-31
583.	1317438	87-06-15	650.	1393353	87-04-15
584.	1336038	86-08-31	651.	1393454	87-03-31
585.	1341839	86-09-15	652.	1393656	87-03-31
586.	1343237	86-09-30	653.	1393757	87-03-31
587.	1348853	86-01-15	654.	1393858	87-03-31
588.	1356852	86-12-31	655.	1394052	87-03-31
589.	1365146	87-10-15	656.	1394153	87-03-31
590.	1366956	87-01-31	657.	1394254	87-03-31
591.	1367049	87-01-31	658.	1394355	87-06-15
592.	1371848	87-02-15	659.	1394456	87-11-15
593.	1372042	87-02-15	660.	1394557	87-04-30
594.	1373347	87-02-15	661.	1394961	87-06-30
595.	1373448	87-02-15	662.	1395256	87-03-31
596.	1374147	87-02-28	663.	1395357	87-03 31
597.	1374753	87-02-28	664.	1395458	87-03-31
598.	1375149	87-02-28	665.	1395559	87-03-15
599.	1375654	87-02-28	666.	1395660	87-03-31
600.	1375755	87-02-28	667.	1395761	87-03-31
601.	1375856	87-02-28	668.	1396359	87-03-31
602.	1376454	87-02-28	669.	1396561	87-03-31
603.	1376656	87-02-28	670.	1396662	87-03-31
604.	1376757	87-02-28	671.	1396763	87-03-31
605.	1376858	87-02-28	672.	1396864	87-03-31
606.	1378256	87-02-28	673.	1397260	87-03-31
607.	1378458	87-02-28	674.	1397361	87-03-31
608.	1378660	87-02-28	675.	1397563	87-03-31
609.	1378862	87-02-28	676.	1397866	87-03-31
610.	1378963	87-02-28	677.	1398363	87-03-31
611.	1379157	87-02-28	678.	1398464	87-03-31
612.	1379561	87-03 31	679.	1398767	87-03-31
613.	1379763	87-02-28	680.	1398969	87-03-31
614.	1380344	87-02-28	681.	1399062	87-03-31
615.	1381346	87-02-28	682.	1399466	87-03-31
616.	1381952	87-02-28	683.	1399668	87-03-31
617.	1382449	87-02-28	684.	1399769	87-03-31
618.	1382954	87-02-28	685.	1400021	87-03-31

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
686.	1400122	87-03-31	751.	1413232	87-04-15
687.	1400223	87-03-31	752.	1413333	87-04-15
688.	1400930	87-03-31	753.	1413535	87-04-15
689.	1401124	87-03-31	754.	1413737	87-04-15
690.	1401528	87-04-15	755.	1413838	87-04-15
691.	1401780	87-03-31	756.	1413939	87-04-15
692.	1401831	87-03-31	757.	1414133	87-04-15
693.	1401932	87-03-31	758.	1414234	87-04-15
694.	1402025	87-03-31	759.	1414335	87-04-15
695.	1402631	87-03-31	760.	1414840	87-04-15
696.	1402833	87-03-31	761.	1414941	87-04-15
697.	1402934	87-11-15	762.	1415034	87-04-15
698.	1403027	87-03-31	763.	1415135	87-04-15
699.	1403128	87-03-31	764.	1415236	87-04-15
700.	1403229	87-03-31	765.	1415438	87-04-15
701.	1403330	87-03-31	766.	1415539	87-04-15
702.	1403431	87-03-31	767.	1415640	87-04-15
703.	1403532	87-03-31	768.	1415842	87-01-15
704.	1403633	87-03-31	769.	1415943	87-04-15
705.	1403734	87-03-31	770.	1416036	87-04-15
706.	1403835	87-03-31	771.	1416137	87-04-15
707.	1403936	87-03-31	772.	1416238	87-04-15
708.	1404231	87-04-15	773.	1416339	87-04-15
709.	1404332	87-04-15	774.	1416642	87-06-30
710.	1404433	87-04-15	775.	1416743	87-04-15
711.	1404534	87-04-15	776.	1416844	87-04-15
712.	1404837	87-04-15	777.	1417240	87-04-15
713.	1404938	87-04-15	778.	1417644	87-04-15
714.	1405637	87-04-15	779.	1417846	87-04-15
715.	1405738	87-04-15	780.	1417947	87-04-15
716.	1405839	87-12-31	781.	1418040	87-04-15
717.	1405940	87-04-15	782.	1418141	87-04-15
718.	1406134	87-04-15	783.	1418242	87-04-15
719.	1406336	87-03-31	784.	1418343	87-04-15
720.	1406538	87-04-15	785.	1418646	87-04-15
721.	1406639	87-03-31	786.	1419042	87-04-30
722.	1406841	87-04-15	787.	1419143	87-04-30
723.	1407237	87-04-15			
724.	1407338	87-04-15			
725.	1407439	87-04-15			
726.	1408077	87-04-15			
727.	1408138	87-04-15			
728.	1408542	87-04-15			
729.	1408643	87-04-15			
730.	1408845	87-03-31			
731.	1409342	87-03-31			
732.	1409544	87-03-31			
733.	1409645	87-04-15			
734.	1409746	87-04-15			
735.	1410428	87-04-15			
736.	1410630	87-04-15			
737.	1410933	87-04-15			
738.	1411026	87-04-15			
739.	1411127	87-04-15			
740.	1411228	87-04-15			
741.	1411329	87-04-15			
742.	1411430	87-04-15			
743.	1411531	87-05-31			
744.	1411733	87-04-15			
745.	1411834	87-04-15			
746.	1412331	87-04-15			
747.	1412432	87-04-15			
748.	1412634	87-04-15			
749.	1412937	87-04-15			
750.	1413030	87-04-15			

[No. CMD/13 : 12]

B. N. SINGH, Add. Director General

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

(केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना)

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1988

विषय : — राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 8(4) का कार्यान्वयन—हिन्दी में किए जाने वाले कार्यों को विनिर्दिष्ट करना।

का.आ. 288.—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली पहले ही राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10(4) के अन्तर्गत अधिसूचित किया जा चुका है। अब यह निर्णय लिया गया है कि निम्नलिखित विषयों को राजभाषा नियमावली, 1976 के नियम 8(4) के अनुपालन में पूरा कार्य हिन्दी में करने के लिए विनिर्दिष्ट करने का निश्चय किया गया है :—

1. कार्यालय के अन्तः विभागीय टिप्पण तथा प्रारूप।

2. स्वीडिश अग्रिम/सामान्य भविष्य निधि अग्रिम/वाईसिकिल एडवांस/स्कूटर एवं कार एडवांस आदि के आवेदन-पत्र एवं मजूरी।
3. तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की सेवा-पुस्तिकाओं में सभी प्रकार के इन्दराज।
4. सभी फाइलों/रजिस्ट्रो पर विषय तथा इन्दराज हिन्दी में करना।
5. अन्य कार्यालयों/विभागों तथा बाहर भेजे जाने वाले सभी प्रकार के नेमी विषयक मानक पत्र आदि।
6. किसी भी प्रकार का अनापत्ति प्रमाण-पत्र देना।
7. सभी प्रकार के पेशगी संबंधी मामले (गृह निर्माण पेशगी को छोड़कर)
8. सामान्य भविष्य निधि से पैसा निकालना।
9. चिकित्सा जांच के लिए मंजूरी देना।
10. सम्पदा निदेशालय को आवात के आबंटन के लिए आवेदन-पत्र भेजना।
11. सी.जी.एच.एस. इण्डेक्स कार्ड जारी करना तथा उनमें परिवर्तन/परिवर्धन करना।
12. सतर्कता संबंधी अनापत्ति प्रमाण-पत्र (विजिलेंस क्लेय-रैस) देना।
13. आवेदन-पत्र अंग्रेषित करना।
14. पेस-मेकर, हियरिंग ऐड की खरीद पर किए गए खर्च और विशेष प्रभार/नसिंग प्रभार आदि पर किए गए खर्च की वापसी से संबंधित मामले।

[सं. 3-2/87-हिन्दी/के.स.स्वा. यो/132-333]

डा. कुलभूषण शर्मा, निदेशक

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Central Government Health Scheme)

New Delhi, the 12th January, 1988

Subject.—Implementation of Rule 8(4) of the Official Language (Use for Official purposes of the Union) Rules, 1976—Specification of work to be done in Hindi.

S.O. 288.—The Central Government Health Scheme, New Delhi has already been notified under Rule 10(4) of the Official Language (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976. It has now been decided to specify the following subjects relating to which the entire work should be done in Hindi, in compliance of Rule 8(4) of the Official Language Rules, 1976 :—

1. Inter-departmental Notes & Drafts of the Office.
2. Applications and sanctioned order for Festival/G.P.F./Bicycle/Schooter and Car advance, etc.
3. All entries in the Service Books of Class III and IV employees.
4. Subjects and entries in the File/Register should be made in Hindi.
5. All types of routine standard letters to be sent to Internal Offices/Departments as well as to outside.
6. Issue of any kind of No Objection Certificates.
7. All kinds of advances (Except House Building advances).

8. Withdawal of money from G.P.F.
9. Issue of sanction letter for Medical Treatment/Examination.
10. Forwarding of application to the Directorate of Estates for allotment of Government accommodation.
11. Issue of CGHS Index Card and addition/alteration therein.
12. Issue of Vigilance Clearance Certificates.
13. Forwarding of applications.
14. Regarding expenditure for the purchase of Pacer-maker, Hearing aid and withdrawal of special charges/Nursing charges, etc.

[No. 3/2/87-Hindi/CGHS/132-333]

DR. K. B. SHARMA, Director (C.G.H.S.)

कल्याण मन्त्रालय

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1988

का.आ. 289 :—केन्द्रीय सरकार, दरगाह खाजा साहब अधिनियम, 1955 (1955 का 36) की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दरगाह समिति, अजमेर, के परामर्श से, ब्रिगेडियर एम.ए. खान, (सेवानिवृत्त) की 2 फरवरी, 1988 से एक वर्ष की और अवधि के लिए दरगाह खाजा साहब का नाजिम नियुक्त करती है।

[संख्या 11 (6)/83-बक्फ]

एस.एम.वाई. नदीम, उप सचिव

MINISTRY OF WELFARE

New Delhi, the 13th January, 1988

S.O. 289.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the Durgah Khawaja Sahab Act, 1955 (36 of 1955), the Central Government, in consultation with the Durgah Committee, Ajmer, hereby appoints Brigadier M. A. Khan (Retd.) as Nazim of the Durgah Khawaja Sahab, Ajmer for a further period of one year on and from the 2nd February, 1988.

[No. 11(6)/83-Wakf]

S. M. Y. NADEEM, Dy. Secy.

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1988

आदेश

का.आ. 290 :—आरोविल (आवात उपबन्ध) अधिनियम 1980 (1980 का 59) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा केन्द्रीय सरकार, शिक्षा तथा संस्कृति मन्त्रालय (शिक्षा विभाग) के आदेश संख्या एफ. 8-5/80 पी.एन.-1 दिनांक 14 नवम्बर, 1980, सं. एफ. 43-24/82-आई.एन.सी. (यू.यू.) (ए.यू.आर.) दिनांक 18 मई, 1983, तथा सं. एफ. 43-24/82-आई.एन.सी. (ए.यू.आर.) (यू.यू.) दिनांक 3 नवम्बर, 1983 तथा सं. एफ. 43-24/82-आई.एन.सी. (ए.यू.आर.)/यू.यू. दिनांक 31 अक्टूबर, 1984 और भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय

(शिक्षा विभाग) के आवेग सं. एफ. 43-24/82-आई. एन.सी. (ए.यू.आर.) (यू.यू.) दिनांक 24 जनवरी 1986 तथा सं. एफ. 43-24/82-आई.एन.सी. (ए.यू.आर.) (यू.यू.) दिनांक 7 नवम्बर, 1986 और सं.एफ. 43-24/82-आई.एन.सी. (ए.यू.आर.) (यू.यू.) दिनांक 2 नवम्बर, 1987 के क्रम में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति एल.पी. निगम की उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए प्रशासक के रूप में नियुक्ति की अवधि को 31 मार्च, 1988 तक बढ़ाती है।

[सं.एफ. 43-24/82-आई.एन.सी. (ए.यू.आर.) (यू.यू.)]

बलदेव महाजन, निदेशक

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
(Department of Education)
New Delhi, the 12th January, 1988

ORDER

S.O. 290 —In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Auroville (Emergency Provisions) Act, 1980 (59 of 1980) and in continuation of the orders of the Central Government in the Ministry of Education and Culture (Department of Education) No. F. 8-5/80-PN-I, dated the 14th November, 1980, No. F. 43-24/82-INC/AU(AUR), dated the 18th May, 1983, No. F. 43-24/82-INC(AUR)/UU, dated the 3rd November, 1983, No. F. 43-24/82-INC(AUR)/UU, dated the 31st October, 1984 and the Government of India in the Ministry of Human Resource Development (Department of Education) Order No. F. 43-24/82-INC(AUR)/UU, dated the 24th January, 1986, No. F. 43-24/82-INC(AUR)/UU dated November 7, 1986 and No. F. 43-24/82/INC(AUR)/UU dated November 2, 1987, the Central Government hereby extends the term of appointment of Justice L. P. Nigam retired Judge of the Allahabad High Court as the Administrator for the purpose of the said Act upto 31st March, 1988.

[No. F. 43-24/82/INC(AUR)/UU]

BALDEV MAHAJAN, Director

(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 1987

का.आ. 291.—मूल नियमावली के नियम 45 के उपबन्धों के अनुसरण में, राष्ट्रपति राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता, रीडर्स होस्टल नियमावली, 1970 में और संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- (1) इन नियमों को राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता, रीडर्स होस्टल (संशोधन) नियमावली, 1987 कहा जाए।
 - (2) इन्हें सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से लागू समझा जाएगा।
2. राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता, रीडर्स होस्टल नियमावली, 1970 में,—

(क) जहाँ कहीं भी “पुस्तकाध्यक्ष राष्ट्रीय पुस्तकालय” शब्द आएंगे, इनके स्थान पर निम्नलिखित शब्द

रखे जाएंगे, अर्थात् :—“राष्ट्रीय पुस्तकालय के निदेशक/प्रमुख”.

(ख) नियम 4 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

3. “लागू होना—(1) राष्ट्रीय पुस्तकालय का रीडर्स होस्टल उन अध्येताओं के उपयोग के लिए है जो राष्ट्रीय पुस्तकालय में शोध करने और अध्ययन के लिए कलकत्ता की शहरी सीमाओं से बाहर के इलाकों से आते हैं और सामान्यतया प्रतिष्ठित विषयविज्ञानों और संस्थानों से संबद्ध होते हैं।

(2) होस्टल में आवास के आवंटन के आवेदन-पत्रों के साथ अध्येताओं की वास्तविकता प्रमाणित करने वाले दस्तावेज संलग्न होने चाहियें।

(3) आवास के आवंटन के सम्बन्ध में राष्ट्रीय पुस्तकालय के निदेशक/प्रमुख का निर्णय अन्तिम है।

(4) मानव संसाधन विकास मंत्रालय अथवा किसी अन्य कार्यालय या संगठन के अधिकारियों को भी राष्ट्रीय पुस्तकालय के निदेशक/प्रमुख के विवेक पर छात्रावास में प्रवास प्रदान किया जा सकता है बशर्ते कि छात्रावास में उनका प्रवास राष्ट्रीय पुस्तकालय के हित में हो।”

(ग) नियम 4, (1) में उप नियम (8) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“(8) किराए का अग्रिम भुगतान करने पर, अध्येता को एक कमरा, आवास उपलब्ध होने की स्थिति में ही आवंटित किया जायेगा, किन्तु आरक्षण की अवधि समाप्त होने से पहले राष्ट्रीय पुस्तकालय के निदेशक/प्रमुख द्वारा रक्ष किए गए आवास के मामले में, किराए का अप्रयुक्त भाग वापिस कर लिया जाएगा।”

(2) उप नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उप नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“जब तक अन्यथा अध्येता के लिखित अनुरोध पर निदेशक द्वारा विशेष अनुमति न दी गई हो, छात्रावास में अध्येता को सामान्यतया एक बार में तीन माह तक की अवधि के लिए ठहरने की अनुमति दी जायेगी ;

(3) उप नियम (12) के पश्चात निम्नलिखित उपनियम जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“(13) रीडर्स होस्टल के किसी भी कमरे का प्रयोग, किसी भी प्राणी द्वारा आवास के अलावा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए नहीं किया जा सकता।”

(घ) नियम 6 में, उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम अस्तित्व में किया जाएगा, अर्थात् :—

“(1) राष्ट्रीय पुस्तकालय के हित के प्रतिकूल किसी भी तरह के व्यवहार अथवा किसी भी नियम का उल्लंघन करने पर कमरे के अधि-भोक्ता का आबंटन रद्द कर दिया जाएगा।”

[सं. एफ. 10-5/87-पुस्त.]

एस.पी. विषवास, अवर सचिव

फुटनोट :— प्रमुख नियम भारत के राजपत्र के भाग 2, खण्ड-3, उपखंड (2) में 25 जुलाई, 1970 को एस.ओ. सं. 2458 के अन्तर्गत पृष्ठ 3147 और 3148 पर प्रकाशित किए गए थे।

(Department of Culture)

New Delhi, the 8th December, 1987

S.O. 291.—In pursuance of the provisions of rule 45 of the Fundamental Rules, the President hereby makes the following rules further to amend the National Library, Calcutta, Readers' Hostel Rules, 1970, namely :—

1. (1) These rules may be called the National Library, Calcutta, Readers' Hostel (Amendment) Rules, 1987.

(2) They shall be deemed to have come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the National Library, Calcutta, Readers' Hostel Rules, 1970,—

(a) for the words “Librarian National Library”, wherever they occur, the following words shall be substituted, namely :—“Director/Head of the National Library”;

(b) for rule 3 the following rule shall be substituted, namely :—

“3. Application.—(1) The Readers' Hostel of the National Library is intended for the use of scholars coming from outside the limits of Calcutta Urban Agglomeration and normally attached to Universities and Institutes of repute, for pursuing their research and study in the National Library.

(2) Applications for allotment of accommodation in the Hostel should be accompanied by documents proving the bona fides of the scholars.”

(3) The decision of the Director/Head of the National Library, is final with regard to allotment of accommodation.

(4) Officers of the Ministry of Human Resource Development, or of any other office or organisation may also be accommodated in the Hostel at the discretion of the Director/Head of the National Library, if their stay in the Hostel is in the interest of the National Library.”

(c) in rule 4, (i) for sub-rule (8) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(8) On payment of rent in advance a room shall be allotted to the scholar subject to availability of accommodation, but in case of a cancellation of accommodation done by the Director/Head of the National Library before the expiry of the period of reservation, the unused part of the rent will be refunded.”;

(ii) for sub-rule (11) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“Scholars shall ordinarily be allowed to stay in the Hostel for only upto three months at a time, unless otherwise specially permitted by the Director on a written request from the scholar”;

(iii) after sub-rule (12) the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(13) No room in the Readers' Hostel can be used by any allottee for any purpose other than for residence.”

(d) in rule 6, for sub-rule (1) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(1) Any conduct which is adverse to the interest of the National Library or infringement of any of the rules shall render an occupant of the room liable for cancellation of allotment.”

[No. F. 10-5/87-Lib.]

S. P. BISWAS, Under Secy.

Foot note.—The principal rules were published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 25th July, 1970 on pages 3147 and 3148, vide S.O. No. 2458.

संचार मंत्रालय

(दूरसंचार विभाग)

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1988

का. आ. 292 :—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने कटिवेल्लूर, पिलालूर, तृकाटपुर, आतमंगलम, कुन्नमंगलम, पूक्कोट्टुमपादम, वण्डूर, एडक्कूटा और कालिकाव टेलीफोन केन्द्रों, केरला सर्किल, में दिनांक 26-1-1988 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं. 5/2/87 पी. एच. बी.]

पी. आर. कारड़ा, सहायक महानिदेशक (पीएचबी)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Telecommunications)

New Delhi, the 14th January, 1988

S.O. 292.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 26-1-1988 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Karivellur, Pilathara, Trikarapur, Mathamangalam, Kunthimangalam, Pookkottumpadam, Wandoor, Edakkara, Kalikavu Telephone Exchanges under Kerala Telecom. Circle.

[No. 5-2/87-PHB]

P. R. KARRA, Asstt. Director Genl. (PHB)

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 8 जनवरी, 1988

का. आ. 293 :—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 8 के अनुसरण में तथा भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की तारीख 4

नवम्बर, 1985 की अधिसूचना संख्या 5290 का अधिकरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थाई समिति गठित करती है जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे अर्थात्—

अध्यक्ष

(धारा 8 के खंड (क) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित)

1. श्री के. सी. शर्मा,
अपर सचिव, श्रम मंत्रालय भारत सरकार
नई दिल्ली।

सदस्य

(धारा 8 के खंड (ख) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित)

2. श्रीमती जानकी कठपालिया,
वित्तीय सलाहकार, श्रम मंत्रालय, भारत सरकार,
नई दिल्ली।
3. श्री बी. के. भट्टाचार्य, केन्द्रीय भविष्य निधि
आयुक्त नई दिल्ली।
4. डा. जी. के. विश्वकर्मा, महानिदेशक,
स्वास्थ्य सेवा, भारत सरकार नई दिल्ली।

(धारा 8 के खंड (ख) के अधीन निगम के सदस्य जो तीन राज्य सरकारों का प्रतिनिधित्व करते हों)

5. महाराष्ट्र सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाला निगम का सदस्य।
6. पश्चिम बंगाल सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाला निगम का सदस्य
7. कर्नाटक सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाला निगम का सदस्य।

(धारा 8 के खंड (ग) के उप खंड (ii) के अधीन निगम द्वारा निर्वाचित)

8. श्री एम. के. गर्ग, प्रबंध निदेशक, सेन्टर बेयरहाऊसिंग कारपोरेशन, सेन्ट्रल बेयरहाऊसिंग संख्या 4/1, श्री इंडस्ट्रीयूशनल एरिया, होज खास, नई दिल्ली।
9. श्री बी. बी. महातमें सेक्रेटरी, इम्प्लॉईज फंडरेशन ऑफ इंडिया, आर्मी एंड नेवी बिल्डिंग, 148 महात्मा गांधी रोड, बम्बई—400023
10. श्री बी. बी. कामथ, हीरा महल, 171, शिवाजी पार्क, मार्ग संख्या 5, बम्बई—400016.

(धारा 8 के खंड (ग) के उप खंड (iii) के अधीन निगम द्वारा निर्वाचित)

11. कु. ई. डी. सौजे, सेक्रेटरी, इंटक, मार्फत आर. एम. एम. एस. जी. डी. अम्बेडकर मार्ग, पारेल, बम्बई—400012

141 GI/88—5.

12. श्री मनहर पी. मेहता, एडवोकेट/प्रीजिडेन्ट, भारतीय मजदूर संघ, श्री जी. सदन, शंकर लेन, कान्डीबिरी, बम्बई—400067

13. श्री बसन्त ए. खनोलकर, खजांची, हिन्द मजदूर सभा, मार्फत कैमिकल मजदूर सभा, 15, सत्यगिरी सदन, दादासाहाब फाल्के रोड, दादर, बम्बई—4000014

(धारा 8 के खंड (ग) के उप खंड (IV) के अधीन निगम द्वारा निर्वाचित)

14. डा. ए. जे. शेलट, 225-ए, शिवाजी नगर, एम. एम. जोशी मार्ग, बम्बई।

(धारा 8 के खंड (ग) के उप खंड (5) के अधीन निगम द्वारा निर्वाचित)

15. श्री राम प्यारे पानिका, लोक सभा सदस्य, 56-58, नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली—11001

(धारा 8 के खंड (घ) के अधीन पदेन सदस्य)

16. महानिदेशक कर्मचारी राज्य बीमा निगम, नई दिल्ली।

[मं. यू.—16012/16/87 एम. एस. -1]

मीना गुप्ता, निदेशक

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 8th January, 1988

S.O. 293.—In pursuance of section 8 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (No. 34 of 1948) and in pursuance of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. 5290 dated the 4th November, 1985, the Central Government hereby constitute the Standing Committee of the Employees' State Insurance Corporation consisting of the following members; namely—

CHAIRMAN

(Nominated by the Central Government Under clause (a) of Section 8)

1. Shri K. C. Sharma,
Additional Secretary,
Ministry of Labour, Government of India,
New Delhi.

MEMBERS

(Nominated by the Central Government under clause (b) of Section 8)

2. Smt. Janaki Kathpalia,
Financial Adviser,
Ministry of Labour,
Government of India,
New Delhi.
3. Shri B. K. Bhattacharya,
Central Provident Fund Commissioner,
New Delhi.
4. Dr. G. K. Vishwakarma,
Director General of Health Services,
Government of India,
New Delhi.

(Members of the Corporation representing the three State Governments under clause (b) of section 8)

5. The Member of the Corporation
representing the Government of
Maharashtra.

6. The Member of the Corporation representing the Government of West Bengal.

7. The Member of the Corporation representing the Government of Karnataka.

[Elected by the Corporation under sub-clause (ii) of clause (c) of Section 8]

8. Shri M. K. Garg,
Managing Director,
Central Warehousing Corporation,
Ware Housing House,
No. 4/1, Sri Institutional Area,
Hauz Khas, New Delhi.
9. Shri V. B. Mahatme,
Secretary, Employers' Federation of India,
Army & Navy Building,
148, Mahatma Gandhi Road,
Bombay-400023.

10. Shri V. B. Kamath,
Hira Mahal,
171, Shivaji Park,
Road No. 5,
Bombay-400016.

[Elected by the Corporation under sub-clause (iii) of clause (c) of section 8]

11. Miss E. D. Souza,
Secretary, INTUC,
C/o RMMS, GD Ambedkar Marg,
Patel, Bombay-400012.
12. Shri Manhar P. Mehta,
Advocate, President,
Bhartiya Mazdoor Sangh,
Shriji Sadan,
Shankar Lane, Kandivili,
Bombay-400067.
13. Shri Vasant A. Khanolkar,
Treasurer, Hindi Mazdoor Sabha,
C/o Chemical Mazdoor Sabha,
115, Satyakiri Sadan,
Dadaaheh Phalke Road,
Dadar, Bombay-400014.

[Elected by the Corporation under sub-clause (iv) of clause (c) of Section 8]

14. Dr. A. J. Shelat,
225-A, Shivaji Nagar,
N. M. Joshi Marg,
Bombay.

[Elected by the Corporation under sub-clause (v) of clause (c) of Section 8]

15. Shri Ram Pyare Panika,
Member of the Lok Sabha,
56-58, North Avenue,
New Delhi-110001.

[Ex-officio Member under clause (d) of Section 8]

16. The Director General,
Employees' State Insurance Corporation,
New Delhi.

[No. A-22012(1)/86-Emig. II]

MEENA GUPTA, Director

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1988

का. आ. 294.—उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार अवय सचिव श्री इन्दर सिंह को 18 जनवरी 1988 से

अगले आवेश जारी होने तक उत्प्रवास संरक्षी-1, बम्बई के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. ए.-22012/1/86-उत्प्रवास-ii]

ए. वी. एस. शर्मा, अवर सचिव

New Delhi, the 13th January, 1988

S.O. 294.—In exercise of the powers conferred by Section 3, sub-section (1) of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby appoints Shri Inder Singh, Under Secretary as Protector of Emigrants-I, Bombay with effect from 18th January, 1988, till further orders.

[No. A-22012(1)/86-Emig. II]

A. V. S. SARMA, Under Secy.

का. आ. 295.—नैसर्स जयपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट कम्पनी प्राइवेट लि., 4736/41, रोशनारा रोड, देहली (डी. एल./309) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट किए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, लाइफ कवर स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का आ. 3220 तारीख 22-9-1984 के अनुसरण में और इससे उपावृद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को 13-10-1987 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 12-10-1990 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त देहली को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभावों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. लाइफ कवर स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना,

बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभागों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथाअनुमोदित लाइफ कवर स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक लाइफ कवर स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा।

6. यदि लाइफ कवर स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए लाइफ कवर स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. लाइफ कवर स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. लाइफ कवर स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त देहली के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, लाइफ कवर स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. उक्त स्थापन स्टेट बैंक आफ इंडिया में पांच लाख रुपये से लाइफ कवर फण्ड के नाम से जमा कराएगा और इसमें से निकाली गई राशि को समय-समय पर पूरा करेगा। किसी भी समय यह राशि उपरोक्त फण्ड में पांच लाख रुपये से कम नहीं रहनी चाहिए। अगर कभी भी यह पाया गया कि फण्ड की राशि पांच लाख रुपये से कम है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन अपने आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उनके हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एस.-35014/76/84-एफ. पी. जी. (एस.एस-2)]

S.O. 295.—Whereas Messrs Jaipur Golden Transport Company Private Limited, 4736/41, Roshanara Road, Delhi (DL/309) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 3220 dated the 22-9-1984 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 13-10-87 upto and inclusive of the 12-10-1990.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas as employees, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under

the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/76/84-FPG-(SS.II)]

का. आ. 296 :—मैसर्स त्रिवेणी इंजीनियरिंग वर्क्स लि., 12-ए, पीन्या इण्डस्ट्रियल एरिया, बंगलूर-560058 (के. एन./5236) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 17 की उप-धारा (2क) के अधीन छूट किए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, लाइफ कवर स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनकूल जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहस्रद्व बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०ग्रा० 1966 तारीख 19-5-1984 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को 18-6-1987 से तीन वर्ष की अवधि के

लिए जिसमें 15-6-1990 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तनों से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक को ऐसी विवरणिया भेजेगा और ऐसे लेखे रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. लाइफ कवर स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित लाइफ कवर स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक लाइफ कवर स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा ।

6. यदि लाइफ कवर स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए लाइफ कवर स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

8. लाइफ कवर स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी को प्रतिफल के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. लाइफ कवर स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन के कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुक्ति-युक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, लाइफ कवर स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. उक्त स्थापन स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में पांच लाख रुपये लाइफ कवर फण्ड के नाम से जमा कराएगा और इसमें से निकाली गई राशि को समय-समय पर पूरा करेगा। किसी भी समय यह राशि उपरोक्त फण्ड में पांच लाख रुपये से कम नहीं रहनी चाहिए। अगर कभी भी यह पाया गया कि फण्ड की राशि पांच लाख रुपये से कम है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उनके हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एस.-35014/33/84-पी. एफ. 2 (एस. एस.-2)]

S.O. 296.—Whereas Messrs The Triveni Engineering Works Limited, 12-A, Penniya Industrial Area, Bangalore-560053 (KN/5236) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 1966 dated the 19-5-1984 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 16-6-1987 upto and inclusive of the 15-6-1990.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts,

submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/33/84-PF.II(SS.II)]

का. आ. 297 :—मैसर्स साऊदर्न पेट्रोकैमिकल इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लि.; 97 माउन्ट रोड, गुण्डी, मद्रास (टी. एन./10139) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) न कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट किए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, लाइफ कवर स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों

को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 331 तारीख 6-1-1984 के अनुसरण में और इससे उपावृद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को 28-1-1987 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 27-1-1990 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तामिलनाडु को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निदिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निदिष्ट करे।

3. लाइफ कवर स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित लाइफ कवर स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब इस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसका स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक लाइफ कवर स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा।

6. यदि लाइफ कवर स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए लाइफ कवर स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. लाइफ कवर स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में

संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. लाइफ कवर स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तामिलनाडु के पृथक् अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, लाइफ कवर स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. उक्त स्थापन स्टेट बैंक आफ इंडिया में पांच लाख रुपये लाइफ कवर फण्ड के नाम से जमा कराएगा और इसमें से निकाली गई राशि को समय-समय पर पूरा करेगा। किसी भी समय यह राशि उपरोक्त फण्ड में पांच लाख रुपये से कम नहीं रहनी चाहिए। अगर कभी भी यह पाया गया कि फण्ड की राशि पांच लाख रुपये से कम है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उनके हकदार नामनिर्देशिनी/विधिक वारिसों को उस राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा से हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एस.-35014/307/83-पी. एफ. 2 (एस. एस.-2)]

S.O. 297.—Whereas Messrs Southern Petrochemical Industries Corporation Limited, 97, Mount Road, Guindy-Madras (TN/10139) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 331 dated the 6-1-1984 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the

Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 28-1-1987 upto and inclusive of the 27-1-1990.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employees, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/ nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No S-35014/307/83-PF-II(SS. II)]

भा.आ. 298 - सौम्य-मेहसाना निधि को-आप्रेटिव लिक् प्रोड्यूसर्स यूनियन लि., पोस्ट, बाकम नं. 1, मेहसाना-384002, गुजरात (बी.जे./4827) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट किए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, लाइफ कवर स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल है जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 4722 तारीख 24-11-1983 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन की 24-12-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 23-12-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. लाइफ कवर स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभागों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित लाइफ कवर स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वृत्तसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन

में नियोजित किया जाता है तो नियोजक लाइफ कवर स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा।

6 यदि लाइफ कवर स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए लाइफ कवर स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों में अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. लाइफ कवर स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देश्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देश्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. लाइफ कवर स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त गुजरात के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुविनियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, लाइफ कवर स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति में कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. उक्त स्थापन स्टेट बैंक आफ इंडिया में पांच लाख रुपये लाइफ कवर फण्ड के नाम से जमा कराएगा और इसमें से निकाली गई राशि को समय-समय पर पूरा करेगा। किसी भी समय यह राशि उपरोक्त फण्ड में पांच लाख रुपये से कम नहीं रहनी चाहिए। अगर कभी भी यह पाया गया कि फण्ड की राशि पांच लाख रुपये से कम है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम-निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उनके हकदार नामनिर्देशिनी/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

S.O. 298.—Whereas Messrs Mehasana District Co-operative Milk Producers Union Limited, P.B. No. 1, Mehasana-384002 Gujarat (GJ/4827) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 4722 dated the 24-11-83 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 24-12-86 upto and inclusive of the 23-12-1989.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/248/83-PF.II(SS.II)]

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1988

का.आ. 299:—मैसर्स गुजरात स्टेट कन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन लि., जी-1/163, सैक्टर-30, गांधीनगर, अहमदाबाद (जी.जे./11828) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट किए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, लाइफ कवर स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सन्मद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1970 तारीख 19-5-1984 के अनुमरण में और इससे उपावृद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को 16-6-1987 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 15-6-1990 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के एमो उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त गुजरात को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय

सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3ब) के खण्ड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे।

3. लाइफ कवर स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्वयण, निरीक्षण प्रभागों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी प्रयोगों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित लाइफ कवर स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक लाइफ कवर स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा।

6. यदि लाइफ कवर स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए लाइफ कवर स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. लाइफ कवर स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देश्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देश्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रति-कर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. लाइफ कवर स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त गुजरात के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टि-कोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, लाइफ कवर स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. उक्त स्थापन स्टेट बैंक आफ इंडिया में पांच लाख रुपये लाइफ कवर फण्ड के नाम से जमा कराएगा और इसमें से निकाली गई राशि को समय-समय पर पूरा करेगा। किसी भी समय यह राशि उपरोक्त फण्ड में पांच लाख रुपये से

कम नहीं रहनी चाहिए। अगर कभी भी यह पाया गया कि फण्ड की राशि पांच लाख रुपये से कम है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यक्तिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उनके हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/26/84-एफ.पी.जी. (एस.एस-2)]

New Delhi, the 15th January, 1988

S.O. 299.—Whereas Messrs. Gujarat State Construction Corporation Limited, G-1-163, Sector-30, Gandhi Nagar, Ahmedabad (GJ/11828) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. 1970 dated the 19-5-1984 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 16-6-1987 upto and inclusive of the 15-6-1990.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/26/84/FPG (SS.II)]

का. आ. 300—मैसर्स दी कोयम्बतूर मिटी को-अपरेटिव बैंक लि., 119, डा. ननजप्पा रोड, कोयम्बतूर-641018 (टी.एन./8250) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट किए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, लाइफ कवर स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहस्रद बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुभोग्य हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या भा.आ. 2009 तारीख 22-5-1984 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को 23-6-1987 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 22-6-1990 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तामिल है नाडु को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. लाइफ कवर स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित लाइफ कवर स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक लाइफ कवर स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा।

6. यदि लाइफ कवर स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए लाइफ कवर स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. लाइफ कवर स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर उस स्कीम के अधीन सन्देश्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देश्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रति-कर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. लाइफ कवर स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तामिल नाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करण का शक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, लाइफ कवर स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना च्वा है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इन स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. उक्त स्थापन स्टेट बैंक आफ इंडिया में पांच लाख रुपये लाइफ कवर फण्ड के नाम में जमा कराएगा और इसमें से निकाली गई राशि को समय-समय पर पूरा करेगा। किसी भी समय यह राशि उपरोक्त फण्ड में पांच लाख रुपये से कम नहीं रहनी चाहिए। अगर कभी भी यह पाया गया कि फण्ड की राशि पांच लाख रुपये से कम है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उस मृत सदस्यों के नाम-निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उनके हकदार नामनिर्देशिती/विधिक वारिसों की उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एस-35014/52/84-एफ पी जी (एस एस-2)]

S.O. 300.—Whereas Messrs. The Coimbatore City Co-operative Bank Limited, 119, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore-641018 (TN/8250) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 2009 dated the 22-5-1984 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 23-6-1987 upto and inclusive of the 22-6-1990.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/52/84-FPG(SS.ID)]

का.आ. 301.—मैसर्स रिलाइन्स टेक्सटाइल इण्डस्ट्रीज लि.; 103/106/नरीदा इण्डस्ट्रियल एस्टेट, नरीदा, अहमदा-

बाद (जी.जे./4147) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट किए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, लाइफ कवर स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुमेय है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1041 तारीख 20-2-1985 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को 9-3-1988 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 8-3-1991 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त गुजरात को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करें।

3. लाइफ कवर स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण, प्रभारों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित लाइफ कवर स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक लाइफ कवर स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा।

6. यदि लाइफ कवर स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए लाइफ कवर स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. लाइफ कवर स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देश्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देश्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. लाइफ कवर स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त गुजरात के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, लाइफ कवर स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह सकती है।

10. उक्त स्थापन स्टेट बैंक आफ इंडिया में पांच लाख रुपये लाइफ कवर फण्ड के नाम से जमा कराएगा और इसमें से निकाली गई राशि को समय समय पर पूरा करेगा। किसी भी समय यह राशि उपरोक्त फण्ड में पांच लाख रुपये से कम नहीं रहनी चाहिए। अगर कभी भी यह पाया गया कि फण्ड की राशि पांच लाख रुपये से कम है तो छूट रह सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम-निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उनके हकदार नामनिर्देशिनी/विधिक वारिसों को उस राशि का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण वाचे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/65/80-पी.एफ. 2(एसएस-2)]

S.O. 301.—Whereas Messrs Reliance Textile Industries Ltd., 103/106, Naroda Industrial Estate, Naroda, Ahmedabad

(GJ/4147) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 1041 dated the 20-2-1985 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 9-3-1988 upto and inclusive of the 8-3-1991.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/65/80-PF-II (SS.II)]

का.आ. 302:—मैसर्स शाह बाल्लेस एंड कंपनी लि., हाइड रोड, केदरपोर, कलकत्ता (डब्ल्यू. बी./1105) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट किए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, लाइफ कवर स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहाय्य बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2607 तारीख 18-7-1984 के अनुसरण में और इससे उपायध्व अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को 11-8-1987 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 10-8-1990 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पश्चिम बंगाल को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षणों प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।

3. लाइफ कवर स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित लाइफ कवर स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक लाइफ कवर स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा।

6. यदि लाइफ कवर स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए लाइफ कवर स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम से अधीन अनुज्ञेय है।

7. लाइफ कवर स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. लाइफ कवर स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त पश्चिम बंगाल के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, लाइफ कवर स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

* 10. उक्त स्थापन स्टेट बैंक आफ इंडिया में पांच लाख रुपए लाइफ कवर फंड के नाम से जमा कराएगा और इसमें से निकाली गई राशि को समय-समय पर पूरा करेगा। किसी भी समय वह राशि उपरोक्त फंड में पांच लाख रुपए से कम नहीं रहनी चाहिए। अगर कभी भी यह पाया गया कि फंड की राशि पांच लाख रुपए से कम है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उनके हकदार नामनिर्देशित/विविध वारिसों को उस राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्याएस-35014/67/84-एफपीजीएसएस- 2]

S.O. 302.—Whereas Messrs. Shaw Wallace & Company Ltd., Hide Road, Kidderpore, Calcutta (WB/1105) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees that the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 2607 dated the 18-7-84 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 11-8-1987 upto and inclusive of the 10-8-1990.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment the employer shall immediately enrol him as a members of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/67/84-FPG(SS.II)]

का. आ. 303 मैसर्स लक्ष्मी मशीन वर्क्स लि., यूनिट II- कनौजूर, कोयम्बटोर-638659 (टी. एन./12490) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 का 17 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा 2क के अधीन छूट दिये जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए वे फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुश्रय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तामिलनाडु को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निश्चित करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा 3-क के खंड-क के अधीन समय-समय पर बिनिर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत गंत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजन, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजन सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस / नाम निर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तमिलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो, उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों / विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/141/87/एसएस-2]

S.O. 303 —Whereas Messrs. Lakshmi Machine Works Ltd., Unit-II, Kaniyur, Coimbatore-638659 (TN/12490) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his

establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India

6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9 Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10 Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/141/87-SS.II]

का. आ. 304-मैसर्स फार्मस्टाल इन्डस्ट्रीज, जीटी. रोड, बार्डपास, नजदीक पठानकोट थोक, जलन्धर (पी.एन./10109) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) के कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 17) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा 2क के अधीन छूट दिये जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किये बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा-2क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 141 GI/88-7.

और इससे उपायुक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन में छूट देसी है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त पंजाब को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाये प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा -17 की उपधारा 3-क के खण्ड-क के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभागों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कार्याचारियों का बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन का भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजन सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं, तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में सम्चित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर उस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त पंजाब के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाने हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत नारीक्ष के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असमर्थ रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यवस्थित दण्ड में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशनियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो, उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते। बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशनियों/विधिक वारिसों की बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दण्ड में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/142/87-एस. एस.-2]

S.O. 304—Whereas Messrs Gystal Industries, G.T. Road, Bye-pass, Near Pathankot Chowk, Jalandhar-144004 (PN/10109) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and maintain such accounts and provide

such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy allowed to lapse, the exemption liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in complete in all respect.

[No S-35014/142/87 SS-II]

का. आ. 305.—जैमर्ग गुजरात मिनरल डिवैलपमेंट कांमिशन लि., बांजी भवन, नेहरू पुल के सामने, ब्राथम रोड, ग्रहमदाबाद (जी. जे./2610) (जिसे हमें हमके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19),

(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट किए जाने के लिए आवेदन किया है,

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, लाइफ कवर स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल है जा उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय है,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तिया का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सख्या का आ 30 तारीख 26-12-1984 के अनुसरण में और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को 5-1-1988 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 4-1-1991 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन में छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात को ऐसी विवरणिया भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. लाइफ कवर स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का यहूत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित लाइफ कवर स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक लाइफ कवर स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा।

6. यदि लाइफ कवर स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में सम्मिलित रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसमें कि कर्मचारियों के

लिए लाइफ कवर स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. लाइफ कवर स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता था, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. लाइफ कवर स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने में पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुनि-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, लाइफ कवर स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों का प्राप्ति होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, ना यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. उक्त स्थापन स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में पांच लाख रुपये लाइफ कवर फण्ड के नाम में जमा कराएगा और इसमें से निकाली गई राशि को समय-समय पर पूरा करेगा। किसी भी समय यह राशि उपरोक्त फण्ड में पांच लाख रुपये से कम नहीं होनी चाहिए। अगर कभी भी यह पाया गया कि फण्ड की राशि पांच लाख रुपये से कम है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशिनी या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदा के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उनके इका-दार नामनिर्देशिनी/विधिक वारिसों को उस राशि का सदा-तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/164/84 एस. एस. -IV (एस. एस. -2)]

S.O. 305—Whereas Messrs. Gujarat Mineral Development Corporation Limited, Khani Bhavan, Opposite Nehru Budge, Ashram Road, Ahmedabad (GJ/2610) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act)

And whereas the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment etc., without making any

separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme),

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 30 dated the 26-12-84 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 5-1-1988 upto and inclusive of the 4-1-1991

SCHEDULE

1 The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time

2 The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month

3 All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc shall be borne by the employer

4 The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees

5 Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India

6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employee, than the benefits admissible under the said Scheme

7 Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation

8 No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view

9 Where, for any reason the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10 Where, for any reason the employer fails to pay the premium etc. within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption is liable to be cancelled

11 In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assur-

ance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer

12 Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of sum assured to the nominee or the legal heir, of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects

[No S-35014/164/84-SS IV(SS II)]

वा. आ. 306 —मैक्सिम हिमालयन एन्डोवर प्राइवेट लि., कनैरी रोड, मिल्कीगुडी, जिला दार्जिलिंग (उन्मुखी बी/22621) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट किए जाने के लिए आवेदन किया है,

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का भन्दाय किए बिना डी, लाइफ कवर स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे है वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल है जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप मन्त्रालय बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुशेष है,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए और भारत सरकार के श्रम मन्त्रालय की अधिवचना मध्या का आ. 373 तारीख 11-1-1985 के अनुसरण में और इसमें उपावद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन का 26-1-1988 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 25-1-1991 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम में सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1 उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पश्चिम बंगाल का ऐसी निरीक्षण भेजना और ऐसे लब्धा रकमा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधा प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार नियन्त्रित कर निर्दिष्ट करे।

2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण पत्रों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर भन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3 लाइफ कवर स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लब्धाओं का रखा जाना, विवरणों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का भन्दाय, लब्धाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रश्नों का भन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित लाइफ कवर स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक लाइफ कवर स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा।

6. यदि लाइफ कवर स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए लाइफ कवर स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. लाइफ कवर स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देश्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देश्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. लाइफ कवर स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त पश्चिम बंगाल के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, लाइफ कवर स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. उक्त स्थापन स्टेट बैंक आफ इंडिया में पांच लाख रुपये लाइफ कवर फण्ड के नाम से जमा कराएगा और इसमें से निकाली गई राशि को समय-समय पर पूरा करेगा। किसी भी समय यह राशि उपरोक्त फण्ड में पांच लाख रुपये से कम नहीं रहनी चाहिए। अगर कभी भी यह पाया गया कि फण्ड की राशि पांच लाख रुपये से कम है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उनके हकदार नामनिर्देशिती/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एम्-35014/187/84-एस. एस. 4(एम. एस.-2)]

ए. के. भट्टाराई, अवर सचिव

S.O. 306.—Whereas Messrs Himalayan Endeavour Private Limited, Katchery Road, Siliguri, District Darjeeling (WB/22621) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 373 dated the 11-1-1985 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 26-1-1988 upto and inclusive of the 25-1-1991.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriate, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payments of sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/187/84-SS. IV]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1988

का. आ. 307.—आयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुमरण में केन्द्रीय सरकार, आरडीएनएम पंचवटी जबलपुर के प्रबंधक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के, पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6 जनवरी, 1988 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 15th January, 1988

S.O. 307.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Ordnance Factory, Jabalpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th January, 1988.

BEFORE SHRI V. S. YADAV, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(93) of 1986

PARTIES :

Employers in relation to the management of Ordnance Factory, Jabalpur and their workman Shri Jairam S/o Shri Bharose, H. No. 217, Cherital, in front of Pratap Dharam Kanta, Tulsi Das Ka Baghicha, Jabalpur (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman—Shri R. C. Srivastava, Advocate.

For Management—Shri A. K. Chaube, Advocate.

INDUSTRY : Ordnance Factory. DISTRICT : Jabalpur (M.P.)

AWARD

Dated : December 31, 1987

By Notification No. L-14012/27/85-D.II(B) dated November, 1986 the Central Government in the Ministry of Labour referred the following dispute to this Tribunal, for adjudication :—

"Whether the action of the management of Ordnance Factory, Khamaria, Jabalpur (M.P.) in awarding the punishment of removal from service to Shri Jairam S/o Shri Bharose, DBW 'B' with effect from 22nd October, 1981 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled and from what date?"

2. Non-controversial facts of the case are that the workman Shri Jairam was appointed as Labour 'B' on 3rd June, 1963 and redesignated as DBW 'B' with effect from 8th December, 1975. The applicant workman was made permanent as DBW 'B' with effect from 1st June, 1977.

3. The case of the management is that the workman was very irregular in attendance during his service and prior to his removal from service the following penalties were imposed on him :—

1. On 5th June, 1967 fined Rs. 2 for unauthorised absence.
2. On 25th June, 1969—Pay reduced by one stage from Rs. 74 p.m. to Rs. 73 p.m. for unauthorised absence.
3. On 27th November, 1970—Pay reduced to minimum from Rs. 75 p.m. to Rs. 70 p.m. for unauthorised absence from duty without permission.

For irregular attendance during the period from January 1980 to July 1980 a Memorandum of Charges under Rule 14 of the C.C.S. (CCA) Rules was issued. During the above period out of 175 days of total working days he remained absent for 129 days on one pretext or the other in violation of the instructions notified vide Factory Order dated 30th November, 1976. The Memorandum of charges which was sent to his recorded home address was returned back by postal authorities undelivered. Therefore a Court of Enquiry was constituted to enquire into the charges. The workman did not attend the enquiry on the scheduled dates. Therefore the enquiry was held ex-parte as per the rules. The enquiry Officer has concluded that the charges of irregular attendance during the period of January 1980 to July 1980 has been established beyond doubt. Again from May 1981 he absented himself from duties continuously without intimation or sanction of leave. After receipt of enquiry report the disciplinary authority was satisfied that the charges are established/proved against him. Taking into account of the bad record and the fact that the workman did not show any sign of improvement in attendance the penalty of removal from service was imposed on the workman. Management has also raised a legal plea that the Ordnance Factories including Factory at Khamaria is not an 'industry' within the meaning of I.D. Act. Therefore the Industrial Tribunal has no jurisdiction to decide the reference by way of adjudication. Consequently the workman is not entitled to any of the reliefs as claimed.

4. The case of the workman is that he was never informed of the charges levelled against him and he was not aware of the so called enquiry. Therefore the question of availing opportunity to defend himself does not arise. He was not given any notice nor show cause notice before discharging his services. Ordnance Factory Khamaria is an 'industry' and is fully covered by the law laid down in Bangalore Water Supply (AIR 1978) and the Industrial Disputes Act, 1947. Therefore this Hon'ble Court has the jurisdiction to decide this case. Punishment of removal awarded on the workman is null and void and excessive.

5. Management have relied on the proceedings of Court of Enquiry and led no evidence. Workman, Jairam, has given his statement on oath

6. Workman has stated that he was ill for about 4-5 months in which he sent an application to the department. During the above period his wife and elder brother expired. When he became alright he went to the Factory for work but he was not taken on duty. He did not receive any charge-sheet or notice of enquiry. In his cross-examination he has admitted that previously he was punished by the management i.e. fine, reducing his wages and stoppage of increment etc.

7. Now the position is clear that the workman did not attend the enquiry as he was not aware of it. Management has also stated in the written statement that the notice of enquiry sent to him by his home address returned back undelivered. Question for consideration before me is whether the awarding of punishment of removal from service to Shri Jairam is just and fair or excessive

8. The management has examined Shri L. N. Tiwari in the Court of Enquiry. In answer to the question No. 10 Shri Tiwari gave details of leave taken by the workman by producing Medical Certificate. He has further given details of leave taken by the workman during the period January 1980 to July 1980. The statement of another witness Shri D. K. Hiraskar given before the enquiry is similar to Shri L. N. Tiwari. Shri Jairam, workman concerned, has stated on oath that he sent an application to the department when he was ill. Management has not rebutted to the above statement of the workman. In the circumstances of the case it appears that though the workman was absent for 4-5 months while he was sick, his elder brother and wife expired, but he sent application for leave.

9. The relevant Government Orders under Rule 11 of C.C.S.(CCA) Rules regarding penalty for unauthorised absence from duty reads as under :—

“(5)(1)(iii).—If the Government servant absents himself abruptly or applies for leave which is refused in the exigencies of service and still he happens to absent himself from duty, he should be told of the consequences viz. that the entire period of absence would be treated as unauthorised entailing loss of pay for the period in question under proviso to Fundamental Rule 17, thereby resulting in break in service. If however, he reports for duty before or after intimation of disciplinary proceedings, he may be taken back for duty because he has not been placed under suspension. The disciplinary action may be concluded and the period of absence treated as unauthorised resulting in loss in pay and allowances for the period of absence under proviso to F.R. 17(1) and thus a break in service.

(2) It is made clear that a Government servant who remains absent unauthorisedly without proper permission should be proceeded against immediately and this should not be put off till the absence exceeds the limit prescribed in Rule 32(2)(a) of the C.C.S. (Leave) Rules, 1972. However, the disciplinary authority should consider the grounds adduced by the Government servant for his unauthorised absence before initiating disciplinary proceedings. If the disciplinary authority is satisfied that the grounds adduced for unauthorised absence are justified, the leave of the kind applied for and due and admissible may be granted to him.”

10. Admittedly the workman was absent for about 4-5 months. Shri L. N. Tiwari stated before the Court of enquiry while answering the question No. 10 that the workman took leave by producing medical certificate on the following dates :—

(a) 1-1-1980 to 9-1-1980	— 9 days
(b) 11-1-1980 to 21-2-1980	— 42 days
(c) 4-3-1980 to 13-3-1980	— 10 days
(d) 25-7-1980 to 31-7-1980	— 5 days

Besides this he has also stated that the workman was on leave on various occasion during the period 1/80 to 7/80. To my mind from the above statement of Shri Tiwari it appears that the workman was taking too much leave but was not on unauthorised leave. If for the sake of arguments it is treated to be unauthorised leave, to my mind, management should not have taken such a harsh action of removal from service. Instead they should have taken such action as they did previously while he was on unauthorised leave.

11. Rule 14 of the C.C.S.(C.C.A.) Rules lays down the procedure for imposing major penalties specified in Clauses (V) to (ix) of the Rule. It says that “No order imposing any of the penalties specified in Clauses (v) to (ix) of Rule 11 shall be made except after an enquiry. The management has held an ex-parte enquiry. So it cannot be said that the workman was given full opportunity to defend himself. But in the circumstances of the case there is no doubt that the workman was taking too much leave. For this act of the workman there are other punishments which can be awarded to the workman instead removal from service. In the circumstance of the case I hold that the punishment of removal from service to workman is excessive

12. Next question arises as to what relief should the workman be entitled to?

13. From the facts on record it is proved that the workman was not sincerely attending his duties. During the period from January 1980 to July 1980 i.e. out of 175 days of total working he remained absent for 129 days. Therefore to my mind it would meet the end of justice if the workman is allowed to be reinstated with immediate effect on his original pay and post as DBW ‘B’ without back wages and allowances. On his reinstatement he will be treated a fresh appointee, but on permanent basis.

14. The plea raised by the Management that the Ordnance Factory is not an ‘industry’ within the meaning of I.D. Act has no substance. Hon’ble High Court of M.P. has already decided this point in a case between Rajendra Naidu Vs. the Director General of Ordnance Factories (M.P. No. 1869/83) vide order dated 21st March, 1984 holding that establishments run by the Government for manufacturing arms and ammunition fall within the definition of ‘Industry’ under the provisions of the I.D. Act, 1947.

15. Consequently I answer the reference as under :—

That the action of the management of Ordnance Factory, Khamaria, Jabalpur (M.P.) in awarding the punishment of removal from service to Shri Jairam S/o Shri Bhorsara, DBW ‘B’ with effect from 22nd October, 1981 is excessive and unjustified. Management is directed to reinstate him with immediate effect as DBW ‘B’. He will not be entitled to back wages. No order as to costs

V. S. YADAV, Presiding Officer

[No. L-14012/27/85-D.II(B)]

HARI SINGH, Desk Officer

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1987

शुद्धि-पत्र

का. आ. 308.—भारत सरकार के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 20 जून, 1987 के पृष्ठ क्रमांक 2176 से 2178 पर प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय कोयला विभाग की अधिसूचना का. आ. सं. 1547 तारीख 5 जून, 1987 में—

का. आ. “1247” के स्थान पर का. आ. “1547” पढ़ें।

सारणी में,

क्रमांक 3	स्तंभ 1 के नीचे पंक्ति 5 में "भानपुरी" के स्थान पर "धानपुरी" पढ़ें। स्तंभ 2 के नीचे पंक्ति 1 में "धानपुरी" के स्थान पर "धनपुरी" पढ़ें। पंक्ति 5 में "बुरहूर" के स्थान पर "बुहार" पढ़ें।	क्रमांक 24	स्तंभ 1 के नीचे पंक्ति 3 तथा 4 में, नौदरा भुगलाचार रेल स्टेशन रोड" के स्थान पर "भुगलाचार" रेल स्टेशन नवरा रा. प. 1,
क्रमांक 4	स्तंभ 2 के नीचे पंक्ति 3 में (4) "बंगवाड" के स्थान पर (4) "बग- वार" पढ़ें।	क्रमांक 25	स्तंभ 1 के नीचे पंक्ति 4 में, "लौरा" के स्थान पर "लौरा" पढ़ें।
क्रमांक 8	स्तंभ 1 के नीचे पंक्ति 5 में विजुरा के स्थान पर "विजुरी" पढ़ें।	क्रमांक 32	स्तंभ 1 के नीचे पंक्ति 3 में, "लाजपुर" के स्थान पर "लाजपुर" पढ़ें। स्तंभ 2 के नीचे पंक्ति 1 में "लाजपुरा" के स्थान पर "लाजपुरा" पढ़ें।
क्रमांक 12	स्तंभ 2 के नीचे पंक्ति 2 में "मोनाबानी कोयला" के स्थान पर "मोन- बानी कोयला" पढ़ें।	क्रमांक 35	स्तंभ 1 के नीचे पंक्ति 3 में तथा 5 में "दियुलपेटा" के स्थान पर "दियुलपेटा" पढ़ें। स्तंभ 2 के नीचे पंक्ति 1 में "दयलपेटा" के स्थान पर "देकावरा" पढ़ें। स्तंभ 1 के नीचे पंक्ति 4 में "मनवेर" के स्थान पर "तालवेर" पढ़ें और वहा कही भा "मनवेर" गलत प्रमाण हुए हैं वहा "तालवेर" पढ़ें।
क्रमांक 14	स्तंभ 1 के नीचे पंक्ति 4 में "मोना बानी के स्थान पर "मोनाबानी" पढ़ें।	क्रमांक 36	स्तंभ 1 के नीचे पंक्ति 3 में, "दक्षिणी डगल" के स्थान पर "दक्षिण बलंडा" पढ़ें।
क्रमांक 15	स्तंभ 1 के नीचे पंक्ति 4 में "न्यू चिरिमिरी पोतरी के स्थान पर न्यू चिरिमिरी पोतरीहिल" पढ़ें।	[सं. 43022/3/87—सी. ए. / एल. एम. डब्ल्यू.]	
क्रमांक 17	स्तंभ 2 में पंक्ति 3 में "कुण्डा" के स्थान पर "कुम्डा" पढ़ें।	MINISTRY OF ENERGY (Department of Coal)	
क्रमांक 18	स्तंभ 2 के नीचे पंक्ति 1 में "बटुगांव" के स्थान पर भट्ट गांव पढ़ें।	CORRIGENDUM	
क्रमांक 20	स्तंभ 1 के नीचे पंक्ति 3 तथा 5 में, "खरवा" के स्थान पर खर्वा पढ़ें। स्तंभ 2 के नीचे पंक्ति 1 में "चुरचा के स्थान पर चर्चा" पढ़ें।	New Delhi, the 29th December, 1987	
क्रमांक 21	स्तंभ 2 के नीचे पंक्ति 2 में "4 बडौदा" के स्थान पर "4 बरुड पढ़ें। स्तंभ 1 के नीचे पंक्ति 3 में "राजगामर" के स्थान पर "राजगमार" पढ़ें।	S.O. 308.—In the notification the Government of India, Ministry of Energy, Department of Coal S.O. No. 1547 dated the 5th June, 1987, published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 20th June, 1987, at pages 2178 to 2182,	
क्रमांक 22	स्तंभ 1 के नीचे पंक्ति 3 तथा 4 में "मिनिकपुर" के स्थान पर "मानिकपुर" पढ़ें। स्तंभ 2 के नीचे पंक्ति 1 में "मानिकपुर" के स्थान पर "मानिकपुर" पढ़ें।	in the Table below column number 2 against serial number 14, in line 1, for "(A)" read "(1)"; below column number 1 against serial number 15, in line 7, for "District" read "District Surguja"; below column number 22 against serial number 19, in line 2, for "mine:" read "Mine".	
		[No. 43022/3/87-CA/LSW]	

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1987

का. आ. 309.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अन्तर्गत भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 3322 तारीख 27 मिनम्बर, 1986 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुमरण में अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का रिपोर्ट पर विचार करने और बिहार सरकार से परामर्श करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 1321.28 एकड़ (लगभग) या 534.792 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि में खनिजों के खनन, खदान, बोर करने, उनकी खुदाई करने और तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों का अर्जन किया जाना चाहिए।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में वर्णित 1321.28 एकड़ (लगभग) या 534.972 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि में खनिजों के खनन, खदान, बोर करने, उनकी खुदाई करने और तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों का अर्जन किया जाता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण उपायुक्त हजारीबाग, धनबाद (बिहार) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1—काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता-700,001 के कार्यालय में या निदेशक, तकनीकी (परियोजनाएँ) भारत कोकिंग कोल लि., कोयला भवन, डाकघर कोयला नगर, जिला धनबाद (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है।

सिंगरा ब्लॉक "ग"

झरिया कोयला क्षेत्र

अनुसूची

खनन अधिकार

क्र.सं.	मौजा (भाग)	थाना सं.	थाना	जिला	क्षेत्र हेक्टरों में	टिप्पणियाँ
1.	मुनीडीह	85	झरिया	धनबाद	10.240	भाग
2.	गरभूडीह	86	"	"	14.750	"
3.	सरायडाहा	87	"	"	83.250	पूर्ण
4.	सकड़खवारी	88	"	"	114.920	"
5.	करीतानर	89	"	"	45.800	भाग
6.	तेतंगाबाद	90	"	"	90.520	पूर्ण
7.	मांझीलाडीह	91	"	"	90.250	भाग
8.	बरहूभी	92	"	"	68.640	"
9.	बासूडीह	93	"	"	0.602	"
10.	डूबरजपुर	94	"	"	16.00	"
कुल				534.972 हेक्टर (लगभग) या 1321.97 एकड़ (लगभग)		

मौजा मुनीडीह में अर्जित किए गए प्लॉट सं.

खनन अधिकार:

890 (भाग), 891 (भाग), 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901 और 902

मौजा गरभूडीह में अर्जित किए गए प्लॉट सं. :

खनन अधिकार

333(भाग), 613(भाग), 614(भाग), 626(भाग), 627, 628(भाग), 629(भाग), 630(भाग), 631(भाग), 644(भाग), 837(भाग), 838(भाग), 839, 840(भाग), 841(भाग), 842(भाग), 843(भाग), 846(भाग), 847(भाग), 848, 849, 850(भाग), 851, 852(भाग), 853(भाग), 854 से 860, 861(भाग), 862, 863 (भाग) 864(भाग), 865(भाग), 866, 885(भाग), 889(भाग), 890, 891(भाग), 893(भाग) 894 से 897 898(भाग), 899(भाग) 900(भाग), 901 से 919

मौजा सरायडाहा में अर्जित किए गए प्लॉट सं. :

खनन अधिकार:

141 GI/88—2.

2 से 462, 464 से 779

मौजा लकड़खबारी में अर्जित किए गए प्लॉट सं. :

खनन अधिकार :

1 से 534, 536 से 710

मौजा कारीताना में अर्जित किए गए प्लॉट सं.

खनन अधिकार :

2 से 181, 182(भाग), 183(भाग), 184(भाग), 185(भाग), 186, 187, 188(भाग), 189(भाग), 190, 191, 192(भाग), 193(भाग), 194 से 204, 205(भाग), 206(भाग), 207(भाग), 211(भाग), 212(भाग), 253(भाग), 297(भाग), 298(भाग), 299, 300(भाग), 321(भाग), और 325 से 327

मौजा तेतंगाबाद में अर्जित किए गए प्लॉट सं. :

खनन अधिकार :

1 से 188, 190 से 252, 254 से 256

मौजा बरदूभी में अर्जित किए गए प्लॉट सं.

खनन अधिकार :

1 से 362, 363(भाग), 364(भाग), 365(भाग), 366(भाग), 367 से 492, 493(भाग), 494(भाग), 495(भाग), 496(भाग), 505(भाग), 508(भाग), 509(भाग); 510(भाग), 511 से 536, 537(भाग), 538(भाग), 539, 540(भाग), 541(भाग), 545(भाग), 546(भाग), 547(भाग), 571(भाग), 572, 573(भाग), 580(भाग), 581 से 584, 585(भाग), 586 से 604, 605(भाग), 606 से 609, 610(भाग), 613(भाग), 794(भाग), 795(भाग), 810(भाग), 811 से 813, 814(भाग), 815(भाग), 816(भाग), 872, 964 से 968, 970 और 971

मौजा माझीलडीह में अर्जित किए गए प्लॉट सं.

खनन अधिकार :

1 से 499, 500(भाग), 501 से 506, 507(भाग), 508, 509, 510(भाग), 511(भाग), 519(भाग), 521(भाग), 522(भाग), 524(भाग), 525(भाग), 526 से 539, 540(भाग), 542(भाग), 543, 544, 545(भाग), 546 से 575, 576(भाग), 577(भाग), 578(भाग), 579 से 588, 589(भाग), 597(भाग), 598(भाग), 601(भाग), 602(भाग), 603(भाग), 604 से 606, 607(भाग), 609 और 614

मौजा बालूडीह में अर्जित किए गए प्लॉट सं.

खनन अधिकार :

113(भाग)

मौजा डूबरराजपुर में अर्जित किए गए प्लॉट सं.

खनन अधिकार :

109(भाग), 120(भाग), 121(भाग), 122(भाग), 123 से 143, 144(भाग), 145(भाग), 146 से 154, 155(भाग), 156(भाग), 157(भाग), 166(भाग), 167(भाग), 168(भाग), 169(भाग), 170 से 175, 176(भाग), और 177 से 237

सीमा वर्णन

क—ख

रेखा, गरभूडीह की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ और मौजा गरभूडीह से प्लॉट सं. 333, 613, 614, 626, 631, 628, 829, 630, 644, 837, 838, 841, 842, 843, 853, 852, 850, 847, 846, 865, 862, 863, 864, 861, 885, 889, 893, 898, 899, 900 तथा मौजा डूबरराजपुर के प्लॉट सं. 120, 121, 122, 124, 109, 145, 156, 155, 180, 166, 167 से होकर जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।

ख—ग

रेखा, मौजा डूबरराजपुर के प्लॉट सं. 168, 176, 169, मौजा बालूडीह के प्लॉट सं. 113, मौजा बरदूभी के प्लॉट सं. 493, 494, 496, 495, 509, 510, 508, 505, 541, 540, 544, 546, 547, 538, 537, 571, 573, 580 से होकर जाती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।

ग—ग/1

रेखा, मौजा बरदूभी के प्लॉट सं. 581, 585, 610, 613, 794 से होकर जाती है और बिन्दु "ग/1" पर मिलती है।

ग/1—घ	रेखा मौजा बरहूमी के प्लॉट सं. 794, 605, 795, 366, 365, 363, 810, 872, 814, 815 816 से होकर जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।
घ—ङ	रेखा, मौजा कारीतानर के प्लॉट सं. 182, 184, 183, 185, 189, 192, 212, 211, 193, 207, 206, 205 से होकर जाती है और बिन्दु "ङ" पर मिलती है।
ङ—ञ	रेखा मौजा माझीलाडीह के प्लॉट सं. 500, 509, 511, 507, 519, 521, 525, 524, 540, 542 545, 576, 577, 578, मौजा कारीतानर के प्लॉट सं. 253, 297, 298, से होकर जाती है और बिन्दु "च" पर मिलती है।
च—छ	रेखा, मौजा कारीतानर के प्लॉट सं. 300, 321, मौजा माझीलाडीह के प्लॉट सं. 589, 597, 598, 601, 602, 603, 607 से होकर जाती है और बिन्दु "छ" पर मिलती है।
छ—ज	रेखा मौजा माझीलाडीह के प्लॉट सं. 607, मौजा तेतूगाबाद के प्लॉट सं. 117, 118, 115, 252 से होकर जाती है और बिन्दु "ज" पर मिलती है।
ज—झ	रेखा, मौजा तेतूगाबाद के प्लॉट सं. 252 से होकर जाती है और बिन्दु "झ" पर मिलती है।
झ—ञ	रेखा, मौजा तेतूगाबाद के प्लॉट सं. 252, 207, 188, 1, मौजा माझीलाडीह के प्लॉट सं. 167, 10, मौजा कारीतानर के प्लॉट सं. 2, मौजा लकड़खवारी के प्लॉट सं. 709, 704, 686, 585, 578, 577 557, 556 से होकर जाती है और बिन्दु "ञ" पर मिलती है।
ट—ड	रेखा, मौजा लकड़खवारी के प्लॉट सं. 555, 552, 551, 550, 536, 534 मौजा सरायडाहा के प्लॉट सं. 499, 464 और 465 से होकर जाती है और बिन्दु "ट" पर मिलती है।
ड—क	रेखा, मौजा सरायडाहा के प्लॉट सं. 465, 509, 510, 462, 200, 11, 2, से होकर जाती है और बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 34015/25/85—सी. ए.]

New Delhi, the 30th December, 1987

S.O. 309.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) S.O.No. 3322 dated 27-9-86 under Sub-section(i) of section 7 of Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government gave notice of its intention to acquire the mining rights in the locality specified in the schedules appended to that notification.

And whereas the competent authority in pursuance of section-8 of the said Act has made his report to the Central Government.

And whereas the Central Government after considering the report and after consulting the Government of Bihar is satisfied that the rights to mine, quarry bore, dig and search for, win work and carry away minerals in the lands measuring 1321.28 acres of 534.772 Hectors approximately described in the schedule appended hereto should be acquired.

Now therefore in exercise of the powers conferred by Sub-Sec (i) of section-9 of the said Act, the Central Government hereby declares that mining rights over the Land to mine, quarry bore, dig and search for, win work and carry away the minerals in the lands measuring 1321.28 acres or 534.782 Hectors approximately described in the schedule are hereby acquired.

The plan No. BCCL/ED/52-86 dated the 24-2-86 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Dhanbad(Bihar) or in the Office of the Coal Controiler 1, Council House Street Calcutta-700001, or in the Office of the Director(Technical)(Projects) Bharat Coking Coal Limited, Koyla Bhawan, Post Office-Koyla Nagar, District Dhanbad (Bihar).

Singra Block-'C'
Jharia Coal Field
Schedule

Mining Rights

S/No.	Mouza (Village)	Thana No.	Police Station	District	Area in Hectors	Remarks
1.	Manidih	85.	Jharia	Dhanbad	10.240	Part
2.	Garbbudih	86.	-do-	-do-	14.750	-do-
3.	Saraidaha	87.	-do-	-do-	83.250	Full
4.	Lakarkhawari	88.	-do-	-do-	114.920	-do-
5.	Karitanr	89.	-do-	-do-	45.800	Part

1	2	3	4	5	6	7
6.	Tetangabad	90.	-do-	-do-	90.520	Full
7.	Majhiladih	91.	-do-	-do-	90.250	Part
8.	Bardubhi	92.	-do-	-do-	68.640	-do-
7.	Baludih	93.	-do-	-do-	0.602	-do-
10.	Dubrajpur	94.	-do-	-do-	16.000	-do-

534.972 Hectors approx. or 1321.28 Acres Approx.

Plot numbers to be acquired in Mouza Manidih

Mining rights

890(Part), 891(Part), 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, and 902.

Plot numbers to be acquired in Mouza Garbhudih

Mining rights

333(Part), 613(Part), 614(Part), 626(Part), 627, 628(Part), 629(Part), 630(Part), 631(Part), 644(Part), 837(Part), 838(Part), 839, 840, 841(Part), 842(Part), 843(Part), 846(Part), 847 Part, 848(Part), 849, 850(Part), 851, 852(Part), 853(Part), 854 to 860 861(Part), 862, 863, (Part.) 864(Part), 865(Part), 866, 885(Part), 889(Part), 890, 891 (Part), 893(Part), 894 to 897, 898(Part), 899(Part), 900(Part), 901 to 919.

Plot numbers to be acquired in Mouza Saraidaha

Mining rights

2 to 462, 464 to 779.

Plots numbers to be acquired in Mouza Lakarkhawari

Mining rights

1 to 534/536, 710

Plot numbers to be acquired in Mouza Karitanr

Mining rights

2 to 191, 182 (Part), 183(Part), 184(Part), 185(Part), 186, 187, 183(Part), 189(Part), 190, 191, 192(Part), 193(Part), 194 to 204, 205(Part), 206(Part), 207(Part), 211(Part) and 212(Part), 253(Part), 298(Part), 299, 300(Part) & 321(Part) & 325 to 327, 297 (Part)

Plot numbers to be acquired in Mouza Tetangabad

Mining rights

1 to 188, 190 to 252, 254 to 256

Plot numbers to be acquired in Mouza Majhiladih

Mining rights

1 to 499, 500(Part), 501 to 506, 507(Part), 508, 509 510(Part), 511(Part), 519(Part), 521(Part), 522(Part), 524(Part), 525 (Part), 526 to 539, 540(Part), 542(Part), 543, 544, 545(Part), 546 to 575, 576(Part), 577(Part), 578(Part), 579 to 588, 589 (Part), 597(Part), 598(Part), 601 (Part), 602(Part), 603(Part), 604 to 606, 607 (Part), 609 to 614.

Plot numbers to be acquired in Mouza Bardubhi

Mining rights

1 to 362, 363(Part), 364(Part), 365(Part), 366(Part), 367 to 492, 493(Part), 494(Part), 495(Part), 496(Part), 505(Part), 508 (Part), 509 (Part), 510(Part), 511 to 536 537(Part), 538(Part), 539, 540(Part), 542(Part), 545(Part) 546(Part), 547(Part), 571(Part), 572, 573(Part), 580(Part), 581 to 584, 585(Part), 586 to 604, 605(Part), 606 to 609, 610(Part), 613(Part), 794 (Part), 795(Part), 810(Part), 811 to 813, 814(Part), 815(Part), and 816(Part), 872, 964 to 968, 970 & 971.

Plot numbers to be acquired in Mouza Baludih

Mining Rights

113(Part).

Plot numbers to be acquired in Mouza Dubrajpur

Mining Rights

109(Part), 120(Part), 121(Part), 122(Part), 123 to 143, 144 (Part), 145(Part), 146 to 154, 155(Part), 156 (Part), 157(Part), 166(Part), 167(Part), 168(Part), 169(Part), 170 to 175, 176(Part), & 177 to 237.

BOUNDARY DESCRIPTION :

A—B, Line passes along the southern boundary of Garbhudih and through plot numbers, 333, 613, 614, 626, 631, 628, 629, 630, 644, 837, 838, 841, 842, 843, 853, 852, 850, 847, 846, 865, 862, 863 864, 861, 885, 889, 893, 898, 899, 900, of Mouza Garbhudih & plot numbers 120, 121, 122, 124, 109, 145, 156, 155, 188, 166, 167 of Mouza Dubrajpur and meets at point 'B'.

B—C, Line passes through plot Nos. 168, 176, 169 of mouza Dubrajpur, Plot no. 113 of Mouza Baludih, plot nos. 493, 494, 496, 495, 509, 510, 509, 505, 541, 540, 545, 546, 547, 538, 537, 571, 573, 580 of Mouza Bardubhi and meets at point 'C'

C—C/1 Line passes through plot numbers 581, 585, 610, 613, 794, of Mouza Bardubhi and meets at point C/1

C/1/D Line passes through plot numbers 794, 605, 795, 366, 365, 363, 810, 872, 814, 816, of Mouza Bardubhi and meets at point 'D'.

D—E, Line passes through plot numbers 182, 184, 183, 185, 189, 192, 212, 211, 193, 207, 206 205, of Mouza Karitanr and meets at point 'E'

- E—F, Line passes through plots numbers 500, 509, 511, 507, 519, 521, 525, 524, 540, 542, 545, 576, 577 of mouza Majhiladih plot no. 253, 297, 298, of Mouza Karitanr and meets at point 'F',
- F—G, Line passes through plots nos. 300, 321 of Mouza Karitanr, plots nos. 587, 597, 598, 601, 602, 603, 607 of Mouza Majhiladih and meets at point 'G'.
- G—H, Line passes through plots nos. 607 of Mouza Majhiladih plots nos. 117, 118, 115, 252 of Mouza-Tetangabad and meets at point 'H'.
- H—I, Line passes through plots nos. 252 of Mouza Tetangabad and meets at Point 'I'.
- I—J, Line passes through plots nos. 252, 207, 188, 1 of Mouza Tetangabad plots nos. 167, 10 of mouza Majhiladih, plots no.2 of Mouza Karitanr, plots nos. 707, 704 686, 585, 578, 577, 557, 556, of Mouza Lakarkhawari and meets at point 'J'.
- J—K, Line passes through plots nos. 555, 552, 551, 550, 536, 534, of Mouza Lakarkhawari plots nos. 499 464 & 465 of Mouza Saraidaha and meets at point 'K'.
- K—A, Line passes through plots nos. 465, 509, 510, 462, 200, 11,2, of Mouza Saraidaha and meets at point 'A'.

[No. 43015/25/85—CA]

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 1988

का. भा. 310.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपायय अनुसूची में उल्लिखित परिक्षेत्र की भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1956 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है;

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. राजस्व /3/87—तारीख 24-10-1987 का निरीक्षण नार्थन कोलफील्ड्स लि. (राजस्व अनुभाग), सिंगरौली के कार्यालय में या कलेक्टर, सीधी (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितवद्ध सभी व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चाटों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर, राजस्व अनुभाग, नार्थन कोलफील्ड्स लि., सिंगरौली को भेजेंगे।

सिंगरौली

जिला सीधी (म.प्र.)

पूर्वेक्षण के लिए अधिसूचित भूमि

पूर्वेक्षण के लिए अधिसूचित भूमि

क्र.सं.	ग्राम	तहसील	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1.	चिगीटोला	सिंगरौली	सीधी	19.77 (लगभग)	भाग
2.	पडारी	"	"	1349.16	" "
3.	मुटेर	"	"	719.06	" "
4.	चकुवार	"	"	98.84	" "
5.	सीगाही	"	"	0.50	" "
6.	सोलांग	"	"	358.29	" "
7.	नौरहिया	चितरांगी	"	27.18	" "
8.	गोरखी	"	"	2.37	" "
कुल				2575.17 एकड़ (लगभग)	
				1042.60 हेक्टेयर (लगभग)	

सीमा वर्णन

- क—ख रेखा, मुहेर और पडारी ग्रामों से होकर जाती है, जो मुहेर ब्लॉक के साथ सामान्य सीमा बनाती है।
- ख—ग रेखा पडारी और चिगीटोला ग्रामों से होकर जाती है।

ब—घ	रेखा चिंगीटोला और पडारी ग्रामों से होकर जाती है ।
ब—ङ.	रेखा ग्राम पडारी से होकर जाती है ।
ङ.—ब	रेखा पडारी, चकवार, सिगाही और सोलांग ग्रामों से होकर जाती है ।
ब—छ	रेखा सोलांग, मुहूर नौरहिया और गोरबी ग्रामों से होकर जाती है ।
छ—क	रेखा, गोरबी और मुहूर ग्रामों से होकर जाती है और बिन्दु "क" पर मिलती है ।

[फा. सं. 43015/21/87—एस. एस. डब्ल्यू.]

बी बी राव, अवर सचिव

New Delhi, the 4th January, 1988

S. O. 310.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands in the locality mentioned in the schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section(1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957(20 of 1957), the Central Government hereby gives notices of its intention to prospect for Coal therein.

The plan no. Rev/3/87, dt. 24.10.87 of the area covered by this notification can be inspected at the office of the Northern Coalfields Limited (Revenue Section) Singrauli or at the office of the Collector, Sidhi (Madhya Pradesh) or at the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in Sub-Section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Section, Northern Coalfields Ltd., Singrauli, within 90 days from the date of the publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

Gorbi Block 'B'

Northern Coalfields Limited

Singrauli

Distt. Sindhi (M.P.)

Land notified for prospecting :—

Serial Number	Village	Tahsil	District	Area	Remarks
1.	Chingitola	Singrauli	Sidhi	19.77 (approximate)	Part
2.	Padari	"	"	1349.16	"
3.	Muher	"	"	719.06	"
4.	Chakuwar	"	"	98.84	"
5.	Sigahi	"	"	0.50	"
6.	Solang	"	"	358.29	"
7.	Naurhiya	Chitrang	"	27.18	"
8.	Gorbi	"	"	2.37	"
Total area or				2575.17 Acres (approximately) 1042.160 Hectare (approximately)	

Boundary description :—

- A—B Line passes through villages Muher and Padari which forms a common boundary with Muher Block.
 B—C Line passes through villages Padari and Chingitola.
 C—D Line passes through villages Chingitola and Padari.
 D—E Line passes through village Padari.
 E—F Line passes through villages Padari, Chakuwar, Sigahi & Solang.
 F—G Line passes through villages Solang, Muher, Naurhiya and Gorbi.
 G—A Line passes through villages Gorbi and Muher and meets at point A.

[No. 43015/21/87—LSW]
B. B. Rao, Under Secy.